राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार 06 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–224 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

दिल्ली नगर निगम के 12 जोन के चुनाव में भाजपा ने बाजी मारी

नई दिल्ली । दिल्ली नगर निगम के 12 जोन के चुनाव के नतीजे सामने आ गए हैं। इस चुनाव में बीजेपी ने आप पर बढ़त हासिल की है। बुधवार को हुए चुनाव में 12 जोन में से 7 पर भाजपा ने जीत हासिल की है वहीं 5 जोन में आप ने जीत हासिल की है।दिल्ली नगर निगम की दिल्ली वार्ड समिति के लिए चुनाव एमसीडी मुख्यालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुए। साल 2022 में एमसीडी के एकीकरण के बाद काफी समय से लंबित चुनाव पहली बार हुए। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक गतिरोध के कारण चुनाव नहीं हो सका था और मामला अदालत में भी गया।

सेना का वाहन खाई में गिरा.....चार जवानों की मौत

पेडोंग । सिक्किम के पाकयोंग में एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है, हादसे में भारतीय सेना के चार जवानों की मौत हो गई है। जवान पश्चिम बंगाल के पेडोंग से सिक्किम के जुलुक सिल्क रूट से पाकयोंग की ओ जा रहे थे तभी वाहन खाई में जा गिरा हादसे में वाहन में सवार चार जवानों की मौत हो गई है।सेना का वाहन सड़क से फिसलकर खाई में 700 से 800 फीट नीचे गिर गया। बताया जा रहा है कि हादसा दलोपचंद दारा के पास वर्टिकल वीर में हुआ है। यह सिल्क रूट के नाम से मशहूर रेनॉक रोंगली हाईवे के पास पड़ता है। वाहन के खाई में गिरने से हादसे में चार जवानों ने अपनी जान गंवा दी है।

पूर्व प्रिंसिपल घोष पहुंचा सुप्रीम कोर्ट....सुनवाई आज

कोलकाता । कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें उनके कथित वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच का आदेश दिया गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष 6 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। यह याचिका मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में 31 वर्षीय प्रशिक्षु डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या के बाद घोष के इर्द-गिर्द बढ़ती जांच के बीच आई है।

बीजेपी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची जारी की

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में कुल 67 उम्मीदवारों के नाम शामिल किए गए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लाडवा विधानसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतारा जाएगा। पार्टी ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से प्रमुख नेताओं को चुनावी मैदान में उतारने का निर्णय लिया है। भाजपा ने सीएम नायब सिंह सैनी को चुनावी मैदान में उतारने के अलावा पंचकूला से ज्ञान चंद गुप्ता, अम्बाला कैंट से अनिल विज, जगाधरी से कंवर पाल गुर्जर, रतिया से सुनीता दुग्गल, आदमपुर से भव्य बिश्नोई और सोहना से तेजपाल तंवर को उम्मीदवार बनाया है।

राहुल गांधी महाराष्ट्र के दौरे पर आज करेंगे जनसभा

नई दिल्ली, । कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गुरुवार को महाराष्ट्र की यात्रा कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पूर्व राज्य मंत्री स्वर्गीय पतंगराव कदम की प्रतिमा का अनावरण भी करेंगे। इसी के साथ महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान का शुभारंभ भी करेंगे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव साल के अंत में होने जा रहे हैं। महाराष्ट्र में कांग्रेस यूबीटी सेना और एनसीपी-एसपी के साथ गठबंधन कर चुनाव मैदान में उतर रही है। कांग्रेस के सोशल मीडिया एकाउंट में की गई पोस्ट अनुसार, राहुल गांधी करीब एक बजे वांगी में पूर्व राज्य मंत्री दिवंगत पतंगराव कदम की प्रतिमा का अनावरण करेंगे और इसके बाद करीब 1.45 बजे कडेगांव में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

दिल्ली में यमुना के 75 प्रतिशत डूबक्षेत्र पर अतिक्रमण.....खतरे में अस्तिव

नई दिल्ली ।

दिल्ली में भारत की चौथी सबसे बड़ी नदी यमुना के 75 प्रतिशत डूबक्षेत्र पर अतिक्रमण हो चुका है। लोगों ने नदी के कैचमेंट एरिया में पक्के घर बनाए हैं।

केंद्र और राज्य सरकारों की नाक के नीचे दिल्ली में इतना बड़ा अवैध कब्जा कैसे हुआ? ये सबसे बड़ा सवाल है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण के एक नए सर्वे के मुताबिक, दिल्ली में यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र का 75 प्रतिशत हिस्सा ऐसा है, जहां अतिक्रमण करके लोगों ने बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण कर लिया है।

इस क्षेत्र को नदी का ओ-जोन एरिया भी कहते हैं, जहां किसी भी तरह के निर्माण कार्य पर सख्त प्रतिबंध रहता है।

बावजूद इसके नए सर्वे में बताया गया है कि दिल्ली में यमुना नदी का जो 9,700 हेक्टेयर का बाढ़ क्षेत्र है, उसमें से 7,362 हेक्टेयर पर लोगों ने अवैध कब्जा करके 5 से 7 मंजिला इमारतों का निर्माण हुआ है। इसमें से ज्यादातर इमारतों में लोग किराए पर रह रहे हैं।

इससे साफ होता हैं कि अतिक्रमण के पीछे आम लोग नहीं बल्कि भू माफिया हैं।

ये भू माफिया लगातार यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र को निगलते जा रहे हैं और इन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। ये अवैध कब्जा तब भी जारी है, जब हाई कोर्ट ने यमुना नदी के चारों तरफ बाड़ लगाकर इसके संवेदनशील क्षेत्र को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली के जाकिर नगर इलाके में यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र में एक नई इमारत का निर्माण हो रहा है और ये इमारत 6 से 7 मंजिला होगी, जिसमें लोग किराए पर रहे और यहां बात सिर्फ इस इमारत की नहीं है। इस इलाके में यमुना नदी के जितने भी हिस्से पर बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण हुआ है, उन सभी इमारतों में 30 से 50 कमरे हैं, जहां लोग किराए पर रहते हैं और इन इमारतों से हर महीने कम से कम 1 लाख रुपये का किराया आता है। जबकि ये इमारतें पूरी तरह अवैध है।

इसके अलावा ये इमारतें इतनी विशाल हैं कि इन्हें दिल्ली से नोएडा को जोड़ने वाले डीएनडी एक्सप्रेसवे से आसानी से देख सकते है।

लेकिन सोचने वाली बात ये है कि जो अतिक्रमण हमें और आपको एक्सप्रेसवे से दिखाता है, वहां अवैध अतिक्रमण यहां से गुजरने वाले सरकारी अधिकारियों और मंत्रियों को नहीं दिखता। दिल्ली से यमुना नदी की कुल लंबाई का केवल दो प्रतिशत हिस्सा ही गुजरता है.। लेकिन, इस दो प्रतिशत हिस्से में दो हजार से ज्यादा स्थानों पर अवैध कब्जा और अतिक्रमणा है।

कालिंदी कुंज, ओखला, मयूर विहार, गीता कॉलोनी, कश्मीरी गेट और वजीराबाद सहित कई इलाकों में यमुना नदी के ओ-जोन एरिया को नक्शे से गायब किया जा चुका है। सरकार ने यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र में जो 10 बायोडायवर्सिटी पार्क बनाए थे, उसमें से 6 पार्क पर अवैध कब्जा है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पिछले महीने इन पार्क को अतिक्रमण मुक्त कराने के निर्देश दिए थे।

लेकिन अतिक्रमण वाले माफिया इतने शक्तिशाली हैं कि यमुना नदी के जिस 7,362 हेक्टेयर बाढ़ क्षेत्र पर अवैध कब्जा है, उनमें से सरकार सिर्फ 700 हेक्टेयर को ही अतिक्रमणा मुक्त कर सकी।

ये सारा अतिक्रमण पिछले 30 वर्षों के दौरान हुआ है।

वर्ष 1990 तक यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र पर ना के बराबर अवैध कब्जा था। लेकिन इसके बाद नदी के डूब क्षेत्र में बड़ी-बड़ी इमारतों का निर्माण हुआ और अब वर्ष 2024 में करीब 75 फीसदी बाढ़ क्षेत्र पर अवैध कब्जा हो चुका है।

ऐसा माना जाता है कि यमुना नदी का अस्तित्व दो करोड़ वर्षों से भी पुराना है और ये गंगा की सबसे बड़ी सहायक नदी है,

जिसे सीताजी इतना पवित्र मानती थीं कि एक बार उन्होंने इस नदी से सिर्फ इस लिए क्षमा-याचना की थी, क्योंकि वह इस नदी को

भगवान श्री राम और लक्ष्मण के साथ एक नाव में बैठ कर पार करना चाहती थीं।

अग्निपथ योजना में बदलाव किया तो मकसद में नहीं होंगे कामयाब!

-उच्चाधिकारी ने बदलाव से किया इनकार

नई दिल्ली ।

सरकारी कर्मचारियों को यूनिफाइड पेंशन स्कीम का तोहफा देने के बाद मोदी सरकार अग्निपथ योजना में बड़ा बदलाव कर सकती है? ये सवाल आज हर किसी के मन में उठ रहा है। वहीं पिछले कुछ वक्त से अग्निपथ योजना को लेकर सियासी तापमान चढ़ा हुआ है। इस बीच अग्निपथ योजना को लेकर एक उच्च अधिकारी ने जानकारी साझा की है जिसमें कहा गया है कि अग्निपथ योजना में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक इस योजना में किसी तरह के बदलाव किए जाएंगे तब इसे लागू करने का मकसद कामयाब नहीं हो पाएगा। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि अगर अग्निपथ योजना में किसी तरह का बदलाव होता तो इससे भारत के सुरक्षा हितों को खतरा हो सकता है। हरियाणा, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और झारखंड विधानसभा चुनावों में अग्निपथ स्कीम चुनावी मुद्दा बन सकती है। सेना का यह भर्ती मॉडल जब से लागू हुआ है तब से ही चर्चा बना हुआ है। इसके तहत युवाओं को कुछ सालों के लिए सेना में भर्ती किया जाता है। इस स्कीम को दो साल पहले सशस्त्र बलों को युवा और युद्ध के लिए तैयार रखने के मकसद से पेश किया गया था। रिपोर्ट में सरकार के एक उच्च अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह योजना चीन का मुकाबला करने की हमारी रणनीति के तहत है। सेना को विवादित सीमा के दुर्गम पहाड़ों में लड़ने के लिए युवाओं की जरूरत है।अधिकारी ने

2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प का उदाहरण देते हुए कहा कि इस घटना ने साबित कर दिया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दुश्मन से लोहा लेने के लिए कितनी कठिनाई होती है। उस समय भारत और चीन के सैनिकों के बीच पत्थरों, डंडों और नुकीले तारों से लड़ाई हुई थी। हमारे पैदल सेना के सैनिकों की औसत आयु 29 है, लेकिन उन्हें 21 के करीब होने की जरुरत है। दरअसल अग्निपथ स्कीम के तहत केवल 17 से 21 वर्ष की आयु के युवा पुरुष और महिलाएं सेना में भर्ती के योग्य हैं। अग्निपथ के तहत चुने गए सैनिकों में से 25फीसदी को अगले 15 साल तक नियमित सेवा में बनाए रखने का प्रावधान है।बता दें भारत सरकार ने अपनी सेना को युवा और चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए अग्निपथ योजना शुरु की थी। इस योजना के तहत, युवाओं को चार साल के लिए सेना में भर्ती किया जाता है, जिसके बाद उनमें से 25फीसदी को स्थायी सेवा में लिया जाता है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य सेना की औसत आयु को कम करना और उसे चीन जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है।

मोदी की यात्रा का असर? सिंगापुर की कंपनी ने भारत को लेकर किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर पहुंचने से कुछ घंटे पहले ही वहां की एक कंपनी ने बड़ा ऐलान कर दिया। सिंगापुर की प्रमुख रियल एस्टेट निवेश कंपनी कैपिटालैंड इन्वेस्टमेंट ने घोषणा की है कि 2028 तक भारत में उसका अपने फंड अंडर मैनेजमेंट को दोगुना से अधिक बढ़ाने का लक्ष्य है। वर्तमान में भारत में कैपिटालैंड के पास 7.4 बिलियन सिंगापुर डॉलर का फंड है। कंपनी ने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कंपनी ने कई योजनाएं बनाई हैं। मोदी की यात्रा का उद्देश्य भारत-सिंगापुर दोस्ती को बढ़ावा देना, रणनीतिक साझेदारी को गहरा करना और सिंगापुर से निवेश आकर्षित करना है। कैपिटालैंड के समूह के सीईओ ली ची कून ने कहा कि भारत वैश्विक कंपनियों और संस्थागत निवेशकों से क्वालिटी एसेट्स को आकर्षित कर रहा है। कून ने यह भी कहा कि कैपिटालैंड भारत में रिन्यूएबल एनर्जी और रियल एस्टेट प्राइवेट क्रेडिट सेगमेंट में प्रवेश के अवसर देखेगा। पिछले महीने, कैपिटलैंड ने भारत में बिजनेस पार्क विकास के लिए एक फंड लॉन्च किया था। इससे कैपिटालैंड के फंड अंडर मैनेजमेंट पोर्टफोलियों में 70 करोड़ डॉलर जुड़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सिंगापुर पहुंचे और उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत की। मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और अन्य सरकारी अधिकारी भी सिंगापुर में मौजूद हैं।

दो उग्रवादी संगठनों के साथ समझौता.....त्रिपुरा के लिए ऐतिहासिक कदम

नई दिल्ली ।

त्रिपुरा और पूरे इलाके में हिंसा समाप्त करने और शांति लाने के प्रयासों में बड़ी कामयाबी मिली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में राज्य के दो उग्रवादी संगठनों के साथ समझौता हुआ। नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) ने एक समझौते पर साइन किए। यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांतिपूर्ण, समृद्ध और उग्रवाद मुक्त नॉर्थ-ईस्ट के विजन को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा।

इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री प्रोफेसर डॉक्टर माणिक साहा, गृह मंत्रालय और त्रिपुरा सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नॉर्थ-ईस्ट के लोगों और दिल्ली के बीच बड़ा फासला था। इस पीएम मोदी ने सड़क, रेल और विमान के जरिए तब कम किया ही। साथ ही दिलों के बीच की दूरी को भी पाटने का काम किया है। शाह ने बताया कि आज का यह समझौता नॉर्थ-ईस्ट के लिए 12वां और त्रिपुरा से जुड़ा तीसरा समझौता है। इन समझौतों से अब तक करीब 10 हजार उग्रवादी हथियार छोड़ मुख्य धारा में आए हैं। इन समझौतों से दोनों तरफ से हजारों लोगों की मृत्यु के कारण को रोकने की बड़ी पहल की गई है।आज के समझौते से 328 से अधिक सशस्त्र कैडर हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर त्रिपुरा के विकास के निर्माण में भी योगदान दे सकते है। इस मौके पर भारत सरकार ने त्रिपुरा की जनजातीय आबादी के समग्र विकास के लिए 250 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज को भी मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि ब्रू-रियांग समझौता होने के बाद आज हजारों ब्रू-रियांग भाई अपने घरों में अच्छा जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

दुनिया की बुरी ताकतों का पतन भारत में होता : भागवत

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया के बाकी हिस्सों में पनपने वाली बुरी ताकतों का पतन भारत में होता है। उन्होंने कहा कि बुरी ताकतें दुनिया भर में मौजूद हैं और उनके बुरे काम हर जगह जारी हैं।

भागवत सद्गुरु समूह द्वारा आयोजित 'वेदसेवक सम्मान सोहाला को संबोधित कर रहे थे, जिसमें अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के दौरान 16 महीने तक वेदों के 'अनुष्ठान' (पाठ) में भाग लेने वाले 200 गुरुजी को सम्मानित किया गया। इस दौरान भागवत ने कहा, ''बुरी ताकतें दुनिया भर में मौजूद हैं, और उनके बुरे काम जारी हैं। बांग्लादेश पहला मामला नहीं है। पहला मामला अमेरिका का है।

संघ प्रमुख ने कहा कि मैंने एक अमेरिकी राइटर की लिखी किताब पढ़ी जिसका टाइटल है 'कल्चरल डेवलपमेंट ऑफ अमेरिका', जिसमें उन्होंने पिछले 100 वर्षों में अमेरिका के सांस्कृतिक पतन पर चर्चा की है।'' संघ प्रमुख ने कहा कि यह पतन पोलैंड में दोहराया गया, फिर अरब देशों में अरब क्रांति के रूप में और हाल ही में यह बांग्लादेश में हुआ। भागवत ने कहा, जो लोग दुनिया पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहते हैं और मानते हैं कि वे ही सही हैं, जबकि अन्य गलत हैं, ऐसी अभिमानी प्रवृत्तियां लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना चाहती हैं और इससे लाभ उठाना चाहती हैं। आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा, ऐसी प्रवृत्तियों के कारण आपदाएं आती हैं और राष्ट्र बर्बाद हो जाते हैं। हमें बिना किसी डर के ऐसी प्रवृत्तियों पर नजर रखने की जरूरत है।

इतिहास बताता है कि ऐसी ताकतें उभरती हैं और अंततः भारत तक पहुंचती हैं और यहां उनका पतन होता है। उन्होंने कहा कि अस्पृश्यता का शास्त्रों में कोई स्थान नहीं है लेकिन यह व्यवहार में मौजूद है।

भागवत ने सवाल उठाया कि अगर कोई हिंदू धर्म के इसतरह के अड़ियल व्यवहार से तंग आकर दूसरे धर्म में धर्मांतरण करता है, तब इसके लिए किसे दोषी ठहराया जाए।

1788 कमरे वाले आलीशन महल में ब्रुनेई किंग के मेहमान बने पीएम मोदी

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में दो दिन के ब्रुनेई दौरे पर थे। किसी भारतीय पीएम द्वारा किया गया दक्षिण एशियाई देश में यह पहली यात्रा थी। ब्रुनेई के सुल्तान हसनल बोल्किया ने अपने इस्ताना नूरुल ईमान पैलेस में पीएम मोदी का स्वागत किया। दुनिया के इस सबसे महंगे महल में ब्रुनेई किंग ने पीएम मोदी के साथ लंच भी किया। सबसे खास बात है कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक, दुनिया के सबसे बड़े रेजिडेंशियल पैलेस का खिताब भी इसी पैलेस के पास है।

ब्रुनेई की राजधानी बांदर सेरी बेगावान में 'इस्ताना नूरुल ईमान' को सुल्तान हसनल बोल्किया ने साल 1981 में बनवाया गया था। 1984 में बनकर तैयार हुए सुल्तान के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को बनवाने में करीब 1.4 बिलियन डॉलर खर्च हुए थे। ब्रुनेई को ब्रिटिश सत्ता से मिली मुक्ति की याद में बने इस महल को फिलीपींस के आर्किटेक्ट ने डिजाइन किया था।

इस महल की गुंबदों पर सोने की परत चढ़ाई गई है। इस्ताना नूरुल ईमान महल में ब्रुनेई के रिच कल्चरल हेरिटेज के साथ-साथ मॉडर्न आर्किटेक्चर की झलक भी है। ना केवल यह दुनिया का सबसे बड़े बल्कि सबसे महंगा राजमहल भी है।

कितना बड़ा है इस्ताना नूरुल ईमान राजमहल?

- इस्ताना नूरुल ईमान राजमहल करीब 2.15 मिलियन स्क्वायर फीट में फैला हुआ है।

पैलेस की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक

- ब्रुनेई किंग के राजमहल में 1788 कमरे और 257 बाथरूम हैं।
- महल में एक बैंक्वेट हॉल भी है, इसमें 5000 मेहमान एक साथ इकट्ठे हो सकते हैं।
- महल में एक मस्जिद भी है जिसमें एक साथ 1500 लोग नमाज पढ़ सकते हैं।
- इस राजमहल में एक हैलिपेड भी है।

इसके अलावा सबसे बड़े रेजिडेंशियल महल में 5 स्विमिंग पूल, एक सिंहासन कक्ष और कई एयरकंडीशंड घोड़े के खलिहान हैं। इसके विशाल इंटीरियर को सोने, संगमरमर और विदेशी लकड़ियों सहित बेहतरीन सामानों से भव्य रूप से सजाया गया है, जो सुल्तान की अपार संपत्ति और ब्रुनेई के सांस्कृतिक और राजनीतिक जीवन में राजशाही के महत्व को दर्शाता है।सुल्तान का निजी घर होने के अलावा इस्ताना नूरुल ईमान, ब्रुनेई सरकार की सत्ता भी यहीं से चलती है। इस महल में प्रधानमंत्री का घर, कई विभागों के ऑफिस और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय समारोहों के लिए वेन्यू भी है। पीएम मोदी के यहां पहुंचने पर लंच का कार्यक्रम भी इसी महल में आयोजित किया गया।

ब्रुनेई के सम्राट बोल्किया दुनिया के सबसे धनी लोगों में शामिल हैं। और इसकी वजह ब्रुनेई के ऑयल और गैस रिजर्व हैं। उनकी अनुमानित नेट वर्थ करीब 28 बिलियन डॉलर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार रोकने को यूपी का रास्ता अपनाना होगा

अशोक मधुप

> हमें स्कूली शिक्षा से ही बच्चों को आदर्श नागरिक बनने के बारे में उसे बताना होगा। उसे प्रेरित करना होगा कि वह समझे कि भ्रष्टाचार गलत है। भ्रष्टाचारी के प्रति होने वाली कार्रवाई से भी उसे अवगत कराया जाए, ताकि बचपन से ही इस कुरूति के प्रति उसके मन में गलत धारणा बन सके। ऐसा होने पर ही इसे रोका जा सकेगा।

आज आमजन भ्रष्टाचार पीड़ित है। ऐसा लगने लगा है कि कोई काम अब रिश्वत दिए बिना नही होता। भ्रष्टाचार देश की जड़ तक पहुच गया। सभी इससे परेशान हैं किंतु इसके रोकने के लिए कोई पहल नही कर रहा। ईमानदारी का चोला पहन कर राजनीति में आई आम आदमी पार्टी खुद आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। आप के सर्वे सर्वा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं दिल्ली के शराब घोटाले में जेल में हैं।

भ्रष्टाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने नई व्यवस्था की है। ये बहुत अच्छी व्यवस्था है हालाकि अभी इसमें बहुत कुछ करना होगा। उत्तर प्रदेश के इस माडल को पूरे देश को स्वीकारना होगा। भ्रष्टाचार करने वालों के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की कार्रवाई को अन्य प्रदेशों को अपने यहां लागू करना होगा, हालाकिं अभी उत्तर प्रदेश में शुरूआत है। इस आदेश के परिणाम आने में समय लगेगा।

अपराधियों और माफियाओं के विरूद्ध उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने बुलडोजर चलाया। उनके द्वारा खड़ी की गई अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया गया। ये प्रयोग इतना सफल रहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध घटे। अपराधी प्रदेश छोड़कर भागने लगे। प्रदेश की कामयाबी देख अन्य कुछ राज्यों ने भी यही बुलडोजर की कार्रवाई को स्वीकारा। इसे अपने यहां लागू किया। स्वयं सर्वोच्च न्यायालय ने राज्यों के बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के एक्शन की प्रशंसा की।

प्रदेश में भ्रषटाचार रोकने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक आदेश में राज्य के आईएएस, आईपीएस, पीपीएस, पीसीएस अफसरों की तर्ज पर राज्य कर्मचारियों को भी ऑनलाइन संपत्तियों का ब्यौरा देना अनिवार्य कर दिया है। सभी सरकारी कर्मचारियों को अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्यौरा ऑनलाइन मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया था। हालाकि शिक्षकों, निगम कर्मचारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं के कर्मचारियों को अभी इसमें शामिल नहीं किया गया। सरकार ने इसके लिए समय सीमा निर्धारित करते हुएए इसके लिए आखिरी तारीख 31 अगस्त तय की गई थी।

आदेश के बाद भी बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने ये काम नहीं किया। इस कारण सरकार ने इनकी सैलरी रोकने का आदेश किया दी। पहले खबर आई थी इनका प्रमोशन भी रोका जा रहा है। अब यूपी सरकार ने कर्मचारियों को एक महीने का और वक्त दिया है। ये सरकार की ओर से

आखिरी अल्टीमेटम माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक मात्र 71 फीसदी कर्मचारियों ने ही अपनी चल और अचल संपत्ति की जानकारी अपलोड की है। 2, 44, 565 राज्य कर्मचारियों की संपत्ति का ब्यौरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड नहीं हो पाया।

उत्तर प्रदेश सरकार के चीफ सेक्रेटरी ने सभी विभागों के प्रमुखों को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि सभी सरकारी कर्मचारी 31 अगस्त तक चल-अचल संपत्ति घोषित करें नहीं तो उनका प्रमोशन नहीं होगा। इसके साथ ही कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी भी नहीं आएगी। सरकारी कर्मियों को संपत्ति घोषित करने का निर्देश पहले भी दिया जा चुका है लेकिन संतोषजनक रिस्पांस नहीं मिलने पर सरकार ने कड़ा फैसला लिया है।

यूपी सरकार ने अब राज्य कर्मचारियों को एक महीने की छूट दी है और आदेश दिया है कि कर्मचारी दो अक्तूबर तक संपत्ति का ब्योरा दे सकेंगे। पहले ब्योरा न देने वालों कर्मचारियों की अगस्त महीने की सैलरी रोकने का आदेश दिया गया था। संपत्ति का ब्यौरा देने में टेक्सटाइल, सैनिक कल्याण, ऊर्जा, खेल, कृषि और महिला कल्याण विभाग के कार्मिक सबसे आगे रहे। जबकि, शिक्षा विभाग के कार्मिक अपनी संपत्ति को छिपाने में आगे हैं। इस लिहाज से सबसे फिसड्डी बेसिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, औद्योगिक विकास और राजस्व विभाग साबित हुए।

17 अगस्त को जब यह आदेश जारी हुआ था, तब 131748 यानी 15 फीसदी राज्य कर्मियों ने ही पोर्टल पर अपनी संपत्ति दर्ज की थी। 20-31 अगस्त के बीच यह बढ़कर 71 फीसदी हो गया। शासन के एक उच्चपदस्थ अधिकारी ने बताया कि संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले कार्मिकों का वेतन रोकने का आदेश पहले ही दिया जा चुका है। सभी विभागों को इसका अनुपालन सुनिश्चित करना होगा। प्रदेश में कुल 846640 राज्य कर्मी हैं। इनमें से 602075 ने ही मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा दिया। विवरण दर्ज कराने के आदेश पर जीपी मुख्यालय ने नियुक्ति विभाग को पत्र भेजकर उनके कार्मिकों के लिए संपत्ति का ब्यौरा देने के लिए कुछ और समय दिए जाने का अनुरोध किया है।

पत्र में कहा गया है कि त्योहारों और पुलिस भर्ती परीक्षा के कारण तमाम पुलिस कर्मी समय से अपनी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दे पाए। माना जा रहा है कि गृह विभाग के लिए यह तिथि बढ़ाई जा सकती है। शासन के उच्चपदस्थ सूत्रों के मुताबिक, जिन अधिकारियों-कर्मचारियों का अगस्त माह का वेतन रोका गया, इसे तभी जारी किया जाएगा, जब वे संपत्ति का ब्यौरा दे देंगे। उनकी संपत्ति का ब्यौरा मिलने पर वेतन देने का फैसला संबंधित विभाग शासन से वार्ता के बाद ले सकेंगे। लगता है कि इसी पत्र के बाद विवरण दर्ज कराने के लिए एक माह का और समय दिया गया है।

आदेश सही है किंतु इसमें अभी सुधार करना होगा, भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए अभी उत्तर प्रदेश को बहुत कुछ करना होगा। कर्मचारियों के अपनी चल और अचल संपत्ति के मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज कराने से काम नही चलेगा। इसके लिए उसके परिवार के सभी सदस्यों की संपत्ति का ब्योरा दर्ज कराना होगा। ये आदेश राज्य सभी सरकारी और अर्ध सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जानी चाहिए। वास्तव में यह कार्य सेवा में आने से पूर्व होना चाहिए। सेवा में आने के बाद शादी होने पर कर्मचारी अपनी पत्नी की प्रत्येक प्रकार की संपत्ति दर्ज कराए। बच्चे होने पर उनका विवरण दर्ज हो। इतना ही नही जन प्रतिनिधियों, जन सेवकों पर भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। आज हालत यह है कि देख गया है कि प्रधान या स्थानीय निकाय का चेयरमैन बनते ही उसके पास लंबी चौड़ी गाड़ी आ जाती है। यह तभी रूकेगी जब, उसके और उसके परिवार की चल अचल संपत्ति चुने जाते ही शपथ से पूर्व घोषित की जाए। विधायकों और विधान परिषद सदस्य, विभिन्न बोर्ड के पदाधिकारी और सदस्यों पर भी यह व्यवस्था लागू होनी चाहिए।

समाज में फैले भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए देश को सख्त निर्णय लेने होंगे। भ्रष्ट हुई व्यवस्था अब बिना सख्ती के ठीक नही होगी। इसकी जड़े आज बहुत गहराई तक पहुंच गई हैं। भ्रष्टाचार की इन जड़ों को ही हमें नही काटना होगा, अपितु इनकी जड़ों का मिल रहा खाद पानी भी रोकना होगा। एक बात और कि ऐसी भी व्यवस्था कानून में होनी चाहिए की रिश्वत देने वाला सरकार को बताए कि उससे रिश्वत मांगी जा रही है। उसके द्वारा दी गई सूचना गुप्त रखी जाए। सूचना पर कार्रवाई होने के बाद सूचना देने वाले को सम्मानित भी किया जाए। अगर नही बताता है तो पता चलने पर उसके विरूद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए।

एक चीज और हमें स्कूली शिक्षा से ही बच्चों को आदर्श नागरिक बनने के बारे में उसे बताना होगा। उसे प्रेरित करना होगा कि वह समझे कि भ्रष्टाचार गलत है। भ्रष्टाचारी के प्रति होने वाली कार्रवाई से भी उसे अवगत कराया जाए, ताकि बचपन से ही इस कुरूति के प्रति उसके मन में गलत धारणा बन सके। ऐसा होने पर ही इसे रोका जा सकेगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

मुस्तैद हो सुरक्षा

पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सर्वसम्मति से बलात्कारोधी विधेयक पारित कर दिया है जिसमें पीड़िता की मौत होने या उसके कोमा जैसी स्थिति में जाने पर दोषियों के लिए मृत्युदंड़ का प्रावधान किया गया है। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक, 2024 का उद्देश्य बलात्कार और यौन अपराधों से संबंधित नये प्रावधानों के जरिए महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा मजबूत करना है। यह विधेयक भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 कानूनों और पॉस्को (यौन अपराधों से बच्चों को संरक्षण) अधिनियम, 2012 के पश्चिम बंगाल में क्रियान्वयन में संशोधन करने का प्रस्ताव करता है। इसका मकसद त्वरित जांच, जल्द से जल्द सुनवाई और दोषी को सख्त से सख्त सजा दिलवाना है। कोलकाता के सरकारी अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद से देश भर में रोष है। उसे न्याय दिलाने के लिए चिकित्सकों ने हड़ताल और प्रदर्शन भी किए। हालांकि यह विधेयक आसानी से पारित तो हो गया है मगर अभी इसे लागू करने के लिए राज्यपाल और राष्ट्रपति से मंजूरी लेना जरूरी है, जो मंत्रियों की सलाह पर काम करते हैं। सो, यह केंद्र सरकार तय करेगी कि यह विधेयक अधिनियम बनेगा या नहीं। दरअसल तो यौन अपराधों के खिलाफ अब सख्त कानून पहले से ही मौजूद हैं परंतु इस मामले में ममता सरकार पर शुरूआत से ही जांच में कोताही, आरोपियों को बचाने के प्रयास और साक्ष्य छिपाने की कोशिशों के आरोप लग रहे हैं। सबसे बड़ी अदालत के सख्ती से यह कहने के बाद भी कि इस घटना का राजनीतिकरण न किया जाए राजनीतिक दलों द्वारा इसे चुनावी मुद्दा बनाने के प्रयास जारी हैं। यह कहने में गुरेज नहीं है कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम लगाने में देश की तमाम राज्य सरकारें बुरी तरह असफल साबित हुई हैं। इसलिए कि वे सिर्फ कड़े.कानून बनाकर ही अपने कर्त्तव्य की इतिश्री कर लेना चाहती रही हैं। लेकिन हकीकत यह है कि केवल कानून द्वारा ही अपराधियों को काबू में नहीं किया जा सकता। सुरक्षा व्यवस्था में कोताही के प्रति जिम्मेदार लोगों पर भी लगाम कसी जानी जरूरी है। दोषियों को मृत्युदंड़ देने से बेहतर है, अपराधों की रोक-थाम के हर जरूरी प्रयास किया जाए। सामूहिक तौर पर सुरक्षित समाज की परिकल्पना को साकार करने के बेहतर उपाय किए जाएं।

चिंतन-मनन

निर्णय में बदलाव पर नजर

लोगों के व्यवहार व कार्यो से या तो तुम सहमत होते हो या असहमत। परंतु इतना सदैव याद रखो कि सब कुछ परिवर्तनशील है। इसीलिए किसी भी निर्णय पर अड़े मत रहो वरना तुम्हारी धारणाएं चट्टान की तरह ठोस हो जाती हैं और तुम्हें व औरों को दुःखी करती हैं। यदि निर्णय हवा के झोकों की तरह हल्के हों तो वे सुगंध फैलाकर आगे बढ़ जाते हैं। वे दुर्गंध भी फैलाकर जा सकते हैं-परंतु उन्हें हमेशा वहीं नहीं रहना है। निर्णय इतने सूक्ष्म होते हैं कि तुम्हें उनके होने का आभास भी नहीं होता। किसी को निणार्यात्मक ठहराना या समझना भी एक निर्णय है। केवल जब तुम सत्ता के साथ होते हो, प्रेम और अनुकम्पा से पूर्ण, केवल तभी तुम निर्णयों से मुक्त हो सकते हो। पर यह संसार फैसलों के बिना आगे नहीं बढ़ सकता। जब तक तुम अच्छे या बुरे का निर्णय नहीं ले लेते, तुम किसी कार्य को नहीं कर पाते। यदि कोई तुमसे दस बार झूठ कहे तो तुम सोचते हो अगली बार भी शायद वह झूठ ही कहेगा। निर्णय स्वतः ही हो जाता है। परंतु इस संभावना को सदा ध्यान में रखो कि व्यक्ति व वस्तु कभी भी बदल सकते हैं और अपने फैसलों पर अड़े मत रहो।

हां, अपनी संगति पर तुम्हें निर्णय करना आवश्यक है। तुम्हारी संगत तुम्हें ऊपर उठा सकती है और नीचे भी खींच सकती है। जो संगत तुम्हें संदेह, निरुत्साह, शिकायत, प्रोध, भ्रम और कामना की तरफ नीचे खींचती हैं, वह कुसंगत है। जो संगति तुम्हें आनंद, उत्साह, सेवा, प्रेम, विश्वास और ज्ञान की तरफ ऊपर खींचती है, वह अच्छी संगत है। जब कोई शिकायत करता है, पहले तुम सुनते हो। फिर उसकी हां में हां मिलाते हो, फिर उसके साथ सहानुभूति दिखाते हो; फिर तुम भी शिकायत करने लगते हो। बस, याद रखो, अपने निर्णयों को पक्का मत होने दो।

सेबी पर लगे आरोपों की जांच जेपीसी की कसौटी में

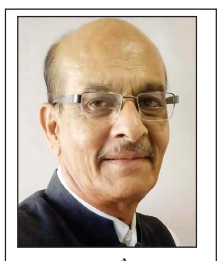

सनत जैन

सेबी अर्थात भारतीय प्रतिभूति- विनिमय बोर्ड की चेयरपर्सन श्रीमती माधवी बुच के उपर लगे आरोपों ने, देश के वित्तीय और राजनीतिक माहौल में तूफान पैदा कर दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा के सवालों ने सेबी की स्वतंत्रता और निष्पक्षता, माधवी बुच के कामकाज को लेकर गंभीर आरोप लगाकर सेबी के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। श्रीमती बुच, सेबी में आने के पहले आईसीआईसीआई बैंक में कार्यरत थीं। सेबी में उनकी नियुक्ति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पवन खेड़ा का आरोप है, कि उन्होंने सेबी की पूर्णकालिक निदेशक बनने के बाद, आईसीआईसीआई बैंक से आर्थिक लाभ प्राप्त किए हैं। जो कि नियमों के खिलाफ हैं। अगर ये आरोप सही हैं तो माधवी बुच को सेबी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ेगा। वह इस्तीफा नहीं देती हैं, तो सरकार को उन्हें हटाना ही पड़ेगा। सेबी जैसी संस्था के कामकाज, निष्पक्षता और ईमानदारी को लेकर जो आरोप लगे हैं वह नियामक संस्था सेबी के लिए एक बड़ा काला धब्बा साबित हो सकता है। देश के पूंजी बाजार की निगरानी और छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए बनाई गई सेबी के कामकाज को लेकर पहली बार इतने बड़े गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जो आरोप लगे हैं, क्या इन आरोपों की निष्पक्ष जांच होगी? अब तक सरकार, या सेबी प्रमुख श्रीमती बुच की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। जिससे जनता के मन में संदेह बढ़ता जा रहा है। जी न्यूज के प्रमुख सुभाष चन्द्रा, पूर्व राज्यसभा सदस्य ने भी बड़े गंभीर आरोप माधवी बुच की कार्य प्रणाली को लेकर लगाए हैं। उन्होंने तो रिश्वत का सीधा आरोप भी लगा दिया है। ऐसी स्थिति में क्या यह संभव है, एक स्वतंत्र और पारदर्शी जांच शुरू हो जाएगी। सरकार ने जिस तरीके की चुप्पी साध रखी है। सेबी प्रमुख की ओर से भी कोई सफाई नहीं आ रही है। सरकार जिस तरीके से माधवी बुच का बचाव कर रही है। इतने भयंकर आरोप क्या राजनीतिक रस्साकशी में उलझकर रह जाएंगे?

सरकार और संबंधित संस्थानों पर जो आरोप लगाए जा रहे हैं। उनकी जल्द से जल्द निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि दोषियों को दंड मिले। सेबी जैसी संस्था की साख और देश के करोड़ों निवेशकों का विश्वास बनाए रखना भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत आवश्यक है। सेवी के कामकाज पारदर्शिता और जवाबदेही की संवैधानिकता और निष्पक्षता बनाए रखना जरुरी है। सरकार द्वारा तुरन्त कार्यवाही नहीं की गई, तो भारतीय अर्थव्यवस्था को बचा पाना मुश्किल हो सकता है। भारत के बैंकों और वित्तीय संस्थानों का बहुत बड़ा निवेश शेयर बाजार में है। बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, वित्तीय संस्थानों, म्युचुअल फंड एवं छोटे निवेशकों के खरबों रुपयों के निवेश प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष माध्यम से शेयर बाजार में निवेष हैं। जिस तरह की गड़बड़ी सामने आ रही है। यदि यह आरोप सच साबित हुए, तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शेयर बाजारों में भयंकर तूफान आना तय है। दुनिया के देश वैसे भी भयंकर आर्थिक मंदी की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे समय पर शेयर बाजार की कोई भी अस्थिरता अर्थ व्यवस्था को तहस-नहस कर सकती है। आने वाले दिनों में क्या यह सब देखने को मिलेगा? आरोपों का क्या नतीजा निकलता है। देश की जनता इसका जवाब चाहती है। हिडनबर्ग ने जो आरोप इसके पूर्व लगाए थे सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जो जांच की जा रही थी। अभी तक वह जांच पूरी नहीं हो पाई है। अब इस मामले में खुद सेवी प्रमुख माधवी बुच पर दस्तावेजी आरोप लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में आरोप सही हैं या गलत, इसका खुलासा निष्पक्ष जांच के माध्यम से ही सम्भव है। यह जांच जेपीसी के बिना संभव नहीं है। सेवी को विशिष्ट संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं। सेबी प्रमुख की जांच ईडी और सीबीआई भी नहीं कर सकती है। पहले भी शेयर बाजार से संबंधित घोटाले की जांच जेपीसी के माध्यम से हुई है। जल्द ही सरकार को इसकी घोषणा करनी चाहिए, अन्यथा गंभीर आर्थिक और राजनीतिक परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

जद(यू) को संजीवनी देगी बीजेपी

संजय गोस्वामी

बिहार में जद(यू) अगले विधानसभा चुनाव तक पुरी मजबूती से टिके रहेगी इसका कारण यह है की बिहार का राजनीति समीकरण ऐसा है कि वहाँ मुख्य रूप से तीन पार्टी है जो इस प्रकार है बीजेपी, आरजेडी व जद (यू) जब भी कोई दो पार्टी मिलती है तभी सरकार बनती है वहाँ का जातियों का समीकरण ही कुछ इसी तरह का है बीच में लोजपा भी है और जो दो गुटों में है वो भी इधर मजबूत हो रही है और खासकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जो किसी का भी खेल बिगाड़ सकती है क्योंकि वहाँ जीत का मार्जिन बहुत ही कम वोटो के अंतर से होता है और बीजेपी 2015 के विधानसभा में अपने कुछ छोटी छोटी सहयोगी पार्टियों के सहारे केवल 55सीट पर सिमट गई थी और जद (यू) व आरजेडी को 71 व 80सीट मिले थे बिहार के मुख्यमंत्री को इतनी आसानी से समझना किसी के बस की बात नहीं है यदि कहीं वो फिर से पाला बदलेंगे तो बीजेपी अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि आज भी मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का अच्छा जनाधार है एक बार जब जद (यू) व आरजेडी का गठबंधन बना था तो मैं रिक्शा से रिक्शावाला से पूछा कि क्या भाई आप किस को वोट दे रहें हैं कहा देना तो था लालूजी को लेकिन जब गठबंधन बना है तो जद (यू) को ही सब मिलकर वोट करेंगे अतः जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में हैं तो ऐसे में बीजेपी कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहेगी वहाँ अभी भी बाहुबली का राज है तभी तो लोकसभा में जेल से पेरोल पर चुनाव में बुलाया गया और बीजेपी भी जद (यू) को तोड़ने का कोई प्रयास नहीं करेगी क्योंकि अगर उसे तोड़ दी तो उसी का नुकसान हो सकता है क्योंकि बाहुबली सब आरजेडी या निर्दलीय चुनाव लड़ कर एक अच्छा वोट बैंक ला सकती है नीतीश कुमार पाला बदलने में माहिर हैं इसलिए इन सब बदलाव पर कुछ बोल नहीं रहें है लेकिन पर्दे के पीछे उन्हें भी पार्टी के बारे में मालूम हो रहा होगा चूंकि केंद्र में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं है और सरकार एनडीए की है अतः कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी क्योंकि श्री नीतीश कुमार जब सारा विपक्ष को एक कर दी थी ऐ सही बात है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया और पाला बदलकर पुनः एनडीए में शामिल हो गए नीतीश कुमार को जब लगा कहीं जद(यू) में टूट होकर कहीं पीएम के चक्कर में सीएम की कुर्सी भी तेजस्वी को ना चला जाए तो प्रधानमंत्री मोदीजी के पास अन्य लोगों के माध्यम से लोकसभा चुनाव हेतु लगा कि जद (यू) की सीट आरजेडी और कॉग्रेस व अन्य के साथ गठबंधन से 4 से 5 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगा और ऐसे में जद(यू) का वजूद ना खत्म हो जाए तभी बीजेपी को भी लगा अकेले अधिक सीट मिलना मुश्किल है तो एनडीए में जद(यू) प्रधान मंत्री श्री मोदीजी के कहने पर ही शामिल हो गई और उसे सम्मानजनक सीट मिला और आरजेडी देखते रह गई और एनडीए ने चिराग और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को मिलकर चुनाव लड़े और बिहार के 35 सीट में से एनडीए को बिहार में 40 सांसदों के चुनाव में । बीजेपी, 17, जद (यू), 16, .एलजेपी, 6 हम 1सीट, आरएलएम यानि एन डी ए ने कुल 40 सीट पर उम्मीदवार उतारा और जिसमें से बीजेपी, 12 जद (यू), 12, .एलजेपी, 5 और हम 1सीट यानि कुल 30 सीट झटक लिए जिसमें जद यू को 16 में से 12सीट मिला कुछ सीटों पर बहुत टफ फाइट था कुछ मुस्लिम बाहुल्य इलाका है जहाँ जद (यू) सीट लेती है अतः नीतीश कुमार जब तक हैं पार्टी आराम से चलेगी क्योंकि बीजेपी में स्व सुशील मोदी जैसा कोई चेहरा नहीं जो सीट ले सके और जनाधार नीतीश कुमार जैसा नहीं है जंगलराज से बिहार को बाहर लाने में जिस तरह नीतीश कुमार ने बिहार को निकाला है वैसे में जद(यू) के अस्तित्व पर फिलहाल कोई खतरा नहीं दिख रहा है अब जब पुल के बारे में एनडीए में बीजेपी कुछ नहीं बोलती है तो उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ के सी त्यागी को भी सोच समझ कर बोलना चाहिए खासकर उससमय जब चुनाव परिणाम के बाद सब की धड़कन रूकी थी तभी उनका बयान आता है कि श्री नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर मिला था और तभी तेजस्वी यादव उसका मजाक उड़ाते नजर आते हैं ऐसे में पार्टी के अंदर लगता है अनर्थ हो रहा है अब जब श्री ललन सिंह जद यू के कैबिनेट मंत्री बन गए और विपक्ष का संसद में मुँह बन्द कर देते हैं वैसा तालमेल की कमी पार्टी को लगी होगी और फिर अग्निवीर और जातीय जनगणना पर बेबजह बोलने लगते हैं तो विरोधाभास होने लगता है जंगल त्याग खत्म तो बिहार से लगभग खत्म हो गया लेकिन बाहुबली का दबदबा अभी भी बिहार में है ऐसे में बीजेपी टिकट देकर अपनी छवि खराब नहीं करना चाहेगी और बिहार में जब ढेरों परियोजना का एनडीए द्वारा शुभारम्भ हुआ है तो सत्ता भी नहीं जाने देगी औ? जद(यू) को संजीवनी देकर एनडीए सरकार को बनाए रखना चाहेगी ताकि बिहार में इन्वेस्टमेंट हो औ? रोजगार मिल सके।बिहार में जद(यू) अगले विधानसभा चुनाव तक पुरी मजबूती से टिके रहेगी इसका कारण यह है की बिहार का राजनीति समीकरण ऐसा है कि वहाँ मुख्य रूप से तीन पार्टी है जो इस प्रकार है बीजेपी, आरजेडी व जद (यू) जब भी कोई दो पार्टी मिलती है तभी सरकार बनती है वहाँ का जातियों का समीकरण ही कुछ इसी तरह का है बीच में लोजपा भी है और जो दो गुटों में है वो भी इधर मजबूत हो रही है और खासकर लोजपा (रामविलास) के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जो किसी का भी खेल बिगाड़ सकती है क्योंकि वहाँ जीत का मार्जिन बहुत ही कम वोटो के अंतर से होता है और बीजेपी 2015 के विधानसभा में अपने कुछ छोटी छोटी सहयोगी पार्टियों के सहारे केवल 55सीट पर सिमट गई थी और जद (यू) व आरजेडी को 71 व 80सीट मिले थे बिहार के मुख्यमंत्री को इतनी आसानी से समझना किसी के बस की बात नहीं है यदि कहीं वो फिर से पाला बदलेंगे तो बीजेपी अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती है क्योंकि आज भी मुख्य मंत्री नीतीश कुमार का अच्छा जनाधार है एक बार जब जद (यू) व आरजेडी का गठबंधन बना था तो मैं रिक्शा से रिक्शावाला से पूछा कि क्या भाई आप किस को वोट दे रहें हैं कहा देना तो था लालूजी को लेकिन जब गठबंधन बना है तो जद (यू) को ही सब मिलकर वोट करेंगे अतः जब तक नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के रूप में हैं तो ऐसे में बीजेपी कोई भी रिस्क लेना नहीं चाहेगी वहाँ अभी भी बाहुबली का राज है तभी तो लोकसभा में जेल से पेरोल पर चुनाव में बुलाया गया और बीजेपी भी जद (यू) को तोड़ने का कोई प्रयास नहीं करेगी क्योंकि अगर उसे तोड़ दी तो उसी का नुकसान हो सकता है क्योंकि बाहुबली सब आरजेडी या निर्दलीय चुनाव लड़ कर एक अच्छा वोट बैंक ला सकती है नीतीश कुमार पाला बदलने में माहिर हैं इसलिए इन सब बदलाव पर कुछ बोल नहीं रहें है लेकिन पर्दे के पीछे उन्हें भी पार्टी के बारे में मालूम हो रहा होगा चूंकि केंद्र में बीजेपी को पूर्ण बहुमत नहीं है और सरकार एनडीए की है अतः कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहेगी क्योंकि श्री नीतीश कुमार जब सारा विपक्ष को एक कर दी थी ऐ सही बात है कि इंडिया गठबंधन के लोगों ने उन्हें भाव नहीं दिया और पाला बदलकर पुनः एनडीए में शामिल हो गए नीतीश कुमार को जब लगा कहीं जद(यू) में टूट होकर कहीं पीएम के चक्कर में सीएम की कुर्सी भी तेजस्वी को ना चला जाए तो प्रधानमंत्री मोदीजी के पास अन्य लोगों के माध्यम से लोकसभा चुनाव हेतु लगा कि जद (यू) की सीट आरजेडी और कॉग्रेस व अन्य के साथ गठबंधन से 4 से 5 सीट से ज्यादा नहीं मिलेगा और ऐसे में जद(यू) का वजूद ना खत्म हो जाए तभी बीजेपी को भी लगा अकेले अधिक सीट मिलना मुश्किल है तो एनडीए में जद(यू) प्रधान मंत्री श्री मोदीजी के कहने पर ही शामिल हो गई और उसे सम्मानजनक सीट मिला और आरजेडी देखते रह गई और एनडीए ने चिराग और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को मिलकर चुनाव लड़े और बिहार के 35 सीट में से एनडीए को बिहार में 40 सांसदों के चुनाव में । बीजेपी, 17. जद (यू), 16, .एलजेपी, 6 हम 1सीट,आरएलएम यानि एन डी ए ने कुल 40 सीट पर उम्मीदवार उतारा और जिसमें से बीजेपी, 12 जद (यू), 12, .एलजेपी, 5 और हम 1सीट यानि कुल 30 सीट झटक लिए जिसमें जद यू को 16 में से 12सीट मिला कुछ सीटों पर बहुत टफ फाइट था कुछ मुस्लिम बाहुल्य इलाका है जहाँ जद (यू) सीट लेती है अतः नीतीश कुमार जब तक हैं पार्टी आराम से चलेगी क्योंकि बीजेपी में स्व सुशील मोदी जैसा कोई चेहरा नहीं जो सीट ले सके और जनाधार नीतीश कुमार जैसा नहीं है जंगलराज से बिहार को बाहर लाने में जिस तरह नीतीश कुमार ने बिहार को निकाला है वैसे में जद(यू) के अस्तित्व पर फिलहाल कोई खतरा नहीं दिख रहा है अब जब पुल के बारे में एनडीए में बीजेपी कुछ नहीं बोलती है तो उनके राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ के सी त्यागी को भी सोच समझ कर बोलना चाहिए खासकर उससमय जब चुनाव परिणाम के बाद सब की धड़कन रूकी थी तभी उनका बयान आता है कि श्री नीतीश कुमार को पीएम पद का ऑफर मिला था और तभी तेजस्वी यादव उसका मजाक उड़ाते नजर आते हैं ऐसे में पार्टी के अंदर लगता है अनर्थ हो रहा है अब जब श्री ललन सिंह जद यू के कैबिनेट मंत्री बन गए और विपक्ष का संसद में मुँह बन्द कर देते हैं वैसा तालमेल की कमी पार्टी को लगी होगी और फिर अग्निवीर और जातीय जनगणना पर बेबजह बोलने लगते हैं तो विरोधाभास होने लगता है जंगल त्याग खत्म तो बिहार से लगभग खत्म हो गया लेकिन बाहुबली का दबदबा अभी भी बिहार में है ऐसे में बीजेपी टिकट देकर अपनी छवि खराब नहीं करना चाहेगी ।

ड्रोन के सुरक्षित संचालन के लिए दिशानिर्देशों पर काम कर रहे हैं गृह मंत्रालय : नायडू

नई दिल्ली । केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि नागर विमानन और गृह मंत्रालय ड्रोन के सुरक्षित संचालन के साथ-साथ उसके उचित उपयोग के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को लेकर काम कर रहे हैं। मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार मणिपुर में हाल की घटना के संदर्भ में गलत मकसद से उड़ाए जा रहे ड्रोन के मामलों से निपटने के लिए किसी विशेष योजना पर विचार कर रही है। मणिपुर में हाल ही में जातीय हिंसा के दौरान उग्रवादियों ने बम गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया था। नायडू ने कहा कि ड्रोन को लेकर सुरक्षा का पहलू भी है। हम गृह मंत्रालय के साथ मिलकर कुछ दिशानिर्देश तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं और यदि आवश्यक हुआ तो इसके लिए एक अधिनियम भी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिशानिर्देशों का मकसद सुरक्षित संचालन और ड्रोन का अधिकतम इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। मंत्री ने कहा कि इस संबंध में अंतर-मंत्रालयी परामर्श किया जा रहा है। सरकार विभिन्न क्षेत्रों में ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम भी उठा रही है। नायडू ने राष्ट्रीय राजधानी में एक सम्मेलन से इतर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न गतिविधियों, खासकर कृषि क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल का काफी समर्थन कर रहे हैं। जब हम दिशानिर्देश तैयार करते हैं तो इसमें ड्रोन के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ सुरक्षा के पहलू को भी ध्यान में रखना होता है। यह एक अंतर-मंत्रालयी प्रयास होगा, हम विचार-विमर्श की प्रक्रिया में हैं।

प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बेचकर 5,000 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निजी नियोजन के जरिये संस्थागत निवेशकों को शेयर बेचकर 5,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने धन जुटाने के लिए 29 अगस्त को पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) जारी किया था। प्रेस्टीज एस्टेट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निदेशक मंडल की वित्त पोषण जुटाने वाली समिति ने पात्र संस्थागत निवेशकों को 1,674 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 2,98,68,578 शेयरों के आवंटन को मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य समिति द्वारा निर्धारित 1,755.09 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य से 4.62 प्रतिशत कम था। बेंगलुरु स्थित प्रेस्टीज एस्टेट्स देश के अग्रणी डेवलपर में से एक है, जिसकी दक्षिण भारतीय बाजार में अच्छी उपस्थिति है। कंपनी ने मुंबई और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बाजारों में भी प्रवेश किया है।

ग्लेनमार्क 2.5 करोड़ डॉलर का करेगी भुगतान

नई दिल्ली । ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने एक जेनेरिक दवा के मूल्य निर्धारण से संबंधित मामले में अमेरिकी न्याय विभाग के साथ समझौते के तहत 2.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है। कंपनी ने बुधवार देर रात शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, मुंबई स्थित दवा निर्माता की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स इंक, यूएसए ने 28 मई 2024 से 4.25 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से निपटान राशि पर ब्याज के साथ पांच वर्षों में छह किस्तों में राशि का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है। अमेरिकी न्याय विभाग के सिविल डिवीजन ने ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स इंक, यूएसए के साथ एक समझौते में झूठे दावों से जुड़े अधिनियम और रिश्वत विरोधी कानून की जांच पूरी कर ली है। इसके बाद ही कंपनी भुगतान पर सहमत हुई है।

विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों तथा बाजारों में हो रहे हैं बदलाव, जिसके लिए देश तैयार है: दास

- उन्नत अर्थव्यवस्था बनने हमारे देश की यात्रा को कई कारकों के अनूठे मिश्रण से मिल रहा है बल

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने गुरुवार को एफआईबीएसी 2024 के उद्घाटन भाषण में कहा कि विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों तथा बाजारों में व्यापक पर बदलाव हो रहे हैं और देश इन बदलाव के लिए तैयार है। दास ने कहा कि उन्नत अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में हमारे देश की यात्रा को कई कारकों के अनूठे मिश्रण से बल मिल रहा है। इन कारकों में युवा व ऊर्जस्वी आबादी, जुझारू व विविध अर्थव्यवस्था, मजबूत लोकतंत्र और उद्यमशीलता व नवाचार की समृद्ध परंपरा शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की वृद्धि गाथा अक्षुण्ण है और बैंकों का बहीखाता मजबूत है।

दास ने निजी क्षेत्र से व्यापक स्तर पर निवेश बढ़ाने का आग्रह किया। गवर्नर ने कहा कि आंकडों से पता चलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी वृद्धि कारक वास्तव में गति पकड़ रहे हैं और वे धीमे नहीं पड़ रहे हैं। इससे हमें यह कहने का साहस मिलता है कि भारतीय वृद्धि की गाथा बरकरार है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) और इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (आईबीसी) जैसे सुधारों से दीर्घकालिक सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने भूमि, श्रम तथा कृषि बाजारों में और अधिक सुधारों की आवश्यकता पर भी जोर दिया। गवर्नर ने कुल मुद्रास्फीति के मायने स्वीकार करते हुए कहा कि मुद्रास्फीति तथा वृद्धि के बीच सही संतुलन कायम है।

बेहतर मानसून तथा खरीफ की अच्छी बुवाई से खाद्य मुद्रास्फीति का परिदृश्य अधिक अनुकूल हो सकता है। वित्तीय क्षेत्र को समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल मंच तक पहुंच बढ़ानी चाहिए और उनका उपयोग करना चाहिए। उन्होंने जोखिम निर्धारण मानकों को कमजोर किए बिना महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों और सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यम (एमएसएमई) के अनुरूप उत्पाद तथा सेवाएं पेश करने की भी वकालत की। दास ने कहा कि विवेकपूर्ण ऋण सुनिश्चित करने के लिए यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) मंच पर केवल विनियमित संस्थाओं को ही अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यूएलआई कुछ चुनिंदा कंपनियों का क्लब नहीं होगा।

बैजूस के लेनदार फिर से करें अपील: एनसीएलटी

नई दिल्ली । नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने सुनवाई के दौरान एडटेक दिग्गज बैजूस के अमेरिकी लेनदारों से कहा है कि लेनदारों की समिति को हटाने वाली याचिका की सुनवाई के लिए नई अपील करे। एनसीएलटी ने मामले की सुनवाई 11 सितंबर तक टाल दी। बैजूस के अमेरिकी लेनदारों का प्रतिनिधित्व करने वाली ग्लास ट्रस्ट ने एक पत्र में दावा किया कि अंतरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) ने सीओसी से लेनदारों को गैरकानूनी तौर पर निकाल दिया है। यह जानकारी ग्लास ट्रस्ट के ईमेल से मिली। जानकार सूत्रों ने बताया कि आईआरपी पंकज श्रीवास्तव ने ग्लास ट्रस्ट को सीओसी से हटा दिया और दावा किया कि वह कंसोर्टियम के न्यूनतम 51 फीसदी लेनदारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। इस बारे में श्रीवास्तव से संपर्क की कोशिश की गई ले किन वह नाकाम रही। अयोग्य ठहराए जाने पर अमेरिकी लेनदारों ने एक ईमेल में कहा कि अयोग्य ठहराए जाने का मामला किसी भी तरह से थिंक ऐंड लर्न की वित्तीय देनदारी के खिलाफ ग्लास ट्रस्ट के दावे को कहीं से भी कमतर नहीं बताता, जिसे पहले पंकज ने मानते हुए मूल रूप से ग्लास ट्रस्ट को सीओसी में शामिल किया था। ग्लास ट्रस्ट के प्रतिनिधित्व वाले ऋणदाताओं के संघ ने बयान में कहा कि पंकज श्रीवास्तव की कार्रवाई अभूतपूर्व और अवैध है क्योंकि भारतीय ऋणशोधन अक्षमता और दिवालियापन संहिता के इतिहास में किसी भी अंतरिम समाधान पेशेवर ने कभी भी इस स्तर के दावों के वित्तीय लेनदारों को अवैध रूप से बेदखल करने का प्रयास नहीं किया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 151 , निफ्टी 53 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर बंद हुए। वहीं गत दिवस भी बाजार में गिरावट रही है। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज बाजार में आज वाहन और संपत्ति शेयरों में भारी गिरावट रही । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 151.48 करीब 0.18 फीसदी नीचे आकर 82,201.16 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 53.60 अंक तकरीबन 0.21 फीसदी नीचे आकर 25,145.10 के स्तर पर बंद हुए।

सेंसेक्स के कुल 10 शेयर ही आज लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि निफ्टी के 17 शेयर बढ़त पर साथ बंद हुए। सेक्टोरल इंडेक्स देखा जाए तो सबसे बड़ी गिरावट निफ्टी ऑटो, ऑयल एंड गैस और रियल्टी सेक्टर में देखने को मिली। आज निफ्टी रियल्टी 0.97फीसदी निफ्टी ऑटो 0.38फीसदी और ऑयल एंड गैस 0.38 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। व्यापक स्तर पर देखा जाए तो स्मॉल और मिड-कैप क्रमश 1 फीसदी और 0.4 फीसदी बढ़कर शीर्ष स्तर पर पहुंचे। एशियाई शेयर बाजार आज नीचे आया। जापानी शेयर तीन सप्ताह के सबसे निचले स्तर पर खिसक गये। बाजार जानकारों के अनुसार निवेशकों को अमेरिकी नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें है और इसका प्रभाव भी बाजार पर पड़ा है। आज निफ्टी और सेंसेक्स दोनों में सबसे अधिक लाभ वाले शेर टाटा समूह की कंपनी टाइटन के रहे। टाइटन के शेयर बीएसई पर 3.11 फीसदी बढ़कर 3721.40 रुपये पर जबकि हृस्थ्र पर 3.11 फीसदी की बढ़त के साथ 3,720 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावा, निफ्टी पर सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में एलटीआई माइंडट्री , विप्रो, बीपीसीएल, आईटीसीस, हीरो मोटोकॉर्प, टाटा स्टील, इंफोसिस, एचसीएल टेक, हिंडाल्को और टीसीएस के शेयर रहे।

वहीं नुकसान वाले शेयरों में निफ्टी के 33 शेयर गिरावट पर बंद हुए, जिनमें कोका-कोला इंडिया, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, सिप्ला, डॉ. रेड्डीज लैब्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.46 फीसदी तक गिरे।

बीएसई के रिलायंस इंडस्ट्रीज , टाटा मोटर्स, नेस्ले इंडिया और भारती एयरटेल सहित 20 शेयर लाल निशान में बंद हुए, इसमें 1.41 फीसदी तक की गिरावट रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह

बाजार मामूली बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 122 अंक चढ़कर 82,474 पर खुला जबकि निफ्टी 51 अंक ऊपर 25,250 पर खुला। इसके अलावा 13 प्रमुख सेक्टर में से ग्यारह हरे निशान में चल रहे थे जबकि घरेलू स्तर पर केंद्रित स्माल और मिड कैप में लगभग 0.5 फीसदी की वृद्धि देखी गई।अमेरिका के कमजोर आर्थिक आंकड़ों ने मंदी की चिंताओं को एक बार फिर जन्म दे दिया है और इसका पिछले सत्र में वैश्विक बाजारों पर असर पड़ा।

सुजलॉन ने पहले अपने हेडक्वार्टर को बेचा....फिर दोबारा खरीदा

मुंबई ।

ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन प्रोवाइडर सुजलॉन एनर्जी का पुणे हेडक्वार्टर बिक चुका है। कंपनी ने अपने हेडक्वार्टर वन अर्थ के लिए प्रॉपर्टी सेल और लीजबैक ट्रांजैक्शन किया है। सुजलॉन ने 440 करोड़ रुपये में ओई बिजनेस पार्क प्राइवेट लिमिटेड (ओईबीपीपीएल) को बेचा है। यह एक स्पेशल पर्पज वीकल है। कंपनी के शेयर 360 वन ऑल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट द्वारा मैनजे फंडस के पास हैं। सुजलॉन अपने नॉन-कोर एसेट्स को बेच रही है और हेडक्वार्टर की बिक्री भी उसी योजना का हिस्सा है।

देश में यह पहला मौका है जब किसी कंपनी ने अपना हेडक्वार्टर बेचा है। बिक्री के बाद कंपनी ने सब-लीजिंग और लाइसेंसिंग अधिकारों के साथ पांच साल तक की अवधि के लिए अपने मुख्यालय को वापस लीज पर ले लिया है। यह डाइवेस्टमेंट डील कंपनी की व्यापक विकास रणनीति का हिस्सा है। सुजलॉन ग्रुप के सीएफओ हिमांशु मोदी ने कहा कि इस बिक्री और लीजबैक व्यवस्था से सुजलॉन के परिचालन पर कोई असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। कंपनी के पास संपत्ति के हिस्से को सब-लीज या लाइसेंस देने का अधिकार है। श्री मोदी ने कहा कि हमारे पास करीब 4 गीगावॉट का सबसे बड़ा ऑर्डरबुक है और नॉन-कोर एसेट्स से पूंजी अनलॉक करके हम अपने कोर बिजनस पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। कंपनी अब कर्जमुक्त हो गई है। हम इसतरह के रणनीतिक निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे विकास के लिए अनुकूल हों और हमारे स्टेकहोल्डर्स के लिए स्थाई मूल्य बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरा करें। समझौते की शर्तों के तहत, सुजलॉन लीजहोल्डर के रूप में एसेट पर कब्जा करना जारी रखेगा। सुजलॉन ने ओईबीपीपीएल के शेयर और सिक्योरिटीज को खरीदने के लिए भी एक समझौता किया है। सेल और लीजबैक डील एक रणनीतिक वित्तीय लेनदेन हैं। इसमें कंपनी अपनी एसेट्स को खरीदार को बेचती है और साथ ही नए मालिक से इसे वापस पट्टे पर लेती है। आमतौर पर खरीदने वाली कंपनी रियल एस्टेट इनवेस्टर होता है। इस व्यवस्था से कंपनी को अपने संचालन को बाधित किए बिना रियल एस्टेट एसेट्स में बंधी पूंजी को अनलॉक करने की सुविधा मिलती है।

सेमीकंडक्टर उद्योग में सप्लाई चेन और स्किल की चुनौती

नई दिल्ली।

ताइवान की सेमीकंडक्टर क्षेत्र की कंपनियां बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत को वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही हैं, लेकिन इस संभावित साझेदारी को साकार करने की राह में कई चुनौतियां हैं। ताइवान आसियान अध्ययन केंद्र की निदेशक क्रिस्टी त्सुन-त्जू ह्सू ने कहा कि किसी देश या स्थान में निवेश करने का फैसला लेते समय ताइवान की कंपनी पांच प्रमुख बातों को ध्यान में रखती है। इनमें स्थानीय ग्राहक सहायता, बुनियादी ढांचे की पूर्णता, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, स्थानीय सरकार का नीतिगत समर्थन और पर्याप्त प्रतिभा की उपलब्धता शामिल हैं। हाल में मुंबई में आयोजित अश्वमेध इलारा इंडिया डायलॉग 2024 में ह्सू ने कहा कि टीएसएमसी के साथ केवल एक टाटा की साझेदारी कभी भी काफी नहीं रहेगी। भारत को प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं और कारोबारी साझेदारों की व्यापक श्रृंखला के साथ संबंध बनाने की आवश्यकता है। देश में शैशव अवस्था वाले सेमीकंडक्टर उद्योग को विदेश में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभाओं को वापस देश में आकर्षित करना भी चुनौतीपूर्ण लगता है। ताइवान में प्रशिक्षण हासिल करने वाले भारतीयों के बारे में ह्सू ने कहा कि ताइवान में प्रशिक्षण लेने के बाद उनमें से बहुत से लोग काम पर वापस आने के इच्छुक नहीं होते हैं।

बाजार नियामक सेबी ने कहा- कर्मचारी बाहर से हो रहे मिसगाइड

मुंबई ।

बाजार नियामक सेबी ने टॉक्सिक वर्क कल्चर को लेकर लगे आरोपों के बीच सेबी ने नई सफाई पेश की है। सभी आरोपों को सेबी ने खारिज किया है। आधिकारिक सफाई पेश करते हुए सेबी ने कहा कि जिन कर्मचारियों ने आरोप लगाए हैं वे बाहर के लोगों से मिस गाइड हो रहे हैं। इस मामले पर बुधवार शाम को सेबी ने बयान जारी कर कहा कि एचआरए और टॉक्सिक वर्क कल्चर को लेकर कर्मचारियों ने जो शिकायतें की है वो बाहर के लोगों के झांसे में आकर की गई है। इस तरह की नकारात्मक बातों का उद्देश्य है की सेबी की विश्वसनीयता पर संदेह किया जा सके। हालांकि सेबी ने कहा कि बाजार के जटिल इकोसिस्टम कि उच्च पारदर्शिता के साथ निगरानी करने के लिए संस्थान प्रतिबद्ध है। सेबी का यह बयान उन खबरों के बीच आया है जिसमें कहा गया है कि नियामकीय संस्था के कर्मचारियों ने सरकार को पत्र लिखकर टॉक्सिक वर्क कल्चर पर चिंता व्यक्त की है। सेबी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि छह अगस्त, 2024 के इस पत्र में गैर-पेशेवर कार्य संस्कृति होने के संबंध में किए गए दावे गलत हैं। इसके साथ ही सेबी ने ये संदेह भी व्यक्त किया कि उसके अधिकारियों को बाहरी तत्वों से संदेश मिल रहे है। जिनके दिशा निर्देश अनुसार उन्हें 'मीडिया, मंत्रालय या बोर्ड में जाने' के लिए उकसाया जा रहा है। उसका मानना है कि बाहरी लोग संभवतः अपने एजेंडा के लिए ऐसा कर रहे हैं। सेबी ने कहा कि हमें आशंका है कि कनिष्ठ अधिकारियों को बाहरी तत्वों से संदेश मिल रहे हैं, जो उन्हें 'मीडिया में जाने, मंत्रालय में जाने, बोर्ड में जाने' के लिए उकसा रहे हैं और बाहरी तत्व शायद अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए ऐसा कर रहे हैं। असल में छह अगस्त, 2024 का पत्र सेबी कर्मचारी संघों ने सरकार को नहीं भेजा था। बाजार नियामक ने कहा कि यह एक गुमनाम ईमेल के रूप में भेजा गया था। अधिकारियों और कर्मचारी संघों ने खुद इसकी निंदा करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय को ईमेल के जरिये इसकी जानकारी दी है।

यात्री वाहन की खुदरा बिक्री अगस्त में पांच फीसदी घटी

नई दिल्ली ।

ग्राहक खरीद में देरी, खराब उपभोक्ता धारणा तथा लगातार भारी बारिश की वजह से भारत में यात्री वाहन की खुदरा बिक्री में अगस्त में सालाना आधार पर पांच फीसदी की गिरावट देखी गई है। अगस्त में कुल 3,09,053 यात्री वाहन (पीवी) का पंजीकरण हुआ, जबकि अगस्त 2023 में यह संख्या 3,23,720 थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बयान में कहा कि त्यौहारी मौसम के बावजूद बाजार पर काफी दबाव बना हुआ है। वाहन अब 70-75 दिन तक गोदाम में रखे रहते है और इन्वेंट्री कुल 7.8 लाख वाहनों की है, जिसका मूल्य 77,800 करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि स्थिति पर प्रतिक्रिया देने के बजाय, पी.वी. मूल उपकरण निर्माता (ओ.ई.एम.) मासिक आधार पर डीलर को भेजे जाने वाले सामानों की संख्या में वृद्धि कर रहे हैं, जिससे समस्या और भी गंभीर हो रही है। उन्होंने कहा कि फाडा सभी बैंकों तथा एनबीएफसी से तत्काल हस्तक्षेप करने और अत्यधिक स्टॉक रखने वाले डीलर को दिए जाने वाले वित्तपोषण को नियंत्रित करने का आग्रह करता है।

एड्रेस बुक के सिंक्रोनाइजेशन को मैनेज करने की अनुमति देगा नया फीचर

नई दिल्ली ।

वॉट्सऐप ने एक और नया फीचर लाने जा रही है जिसकी मदद से यूज़र्स को मल्टिपल अकाउंट का इस्तेमाल करते समय अपने कॉन्टैक्ट को मैनेज करने का ऑप्शन मिलेगा। वाबेटाइंफो ने बताया है कि ये फीचर फिलहाल ऐप के बीटा वर्जन में देखा गया था और जल्द ही ऐप के स्टेबल वेरिएंट में पेश किया सकता है।

रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि वॉट्सऐप एक नए सेक्शन पर काम कर रहा है जो यूज़र्स को अपनी एड्रेस बुक के सिंक्रोनाइजेशन को मैनेज करने की अनुमति देगा, जिससे उन्हें ये कंट्रोल करने की सुविधा मिलेगी हर कॉन्टैक्ट को सिंक्रोनाइज़ किया जाए या नहीं। ये फीचर खास उन यूज़र्स के लिए है जो ऐप के मल्टी-अकाउंट सुविधा का फायदा उठाते हैं, और इससे उन्हें अपने काम और पर्सनल कॉन्टैक्ट को अलग रखने का ऑप्शन मिल जाता है। वाबेटाइंफो ने इसका स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है, जिसमें देखा जा सकता है कि ये ऑप्शन कैसा दिखेगा। इसके अलावा ये भी बता दें कि अगर यूज़र्स अपने अकाउंट के लिए कॉन्टैक्ट सिंकिंग को बंद करना चुनते हैं तो वॉट्सऐप उन्हें नए अपडेट में एक मैनुअल सिंक ऑप्शन देगा, जिससे उन्हें हर कॉन्टैक्ट को अलग से सिंक किया जा सकेगा। इसका मतलब साफ है कि वे अपने अकाउंट से कुछ कॉन्टैक्ट को सिंक किए बिना पूरे एड्रेस बुक को सिंक कर सकते हैं। अच्छी बात ये है कि यूज़र्स अगर नहीं चाहते कि उनके कनेक्टेड डिवाइस में कोई कॉन्टैक्ट सिंक हो तो वह अनसिंक भी कर सकते हैं।

बताया गया है कि ये फीचर अभी डेवलपमेंट स्टेज पर है और बीटा टेस्टर्स के पास अभी नहीं आया है। उम्मीद की जा रही है कि इसे जल्द बीटा टेस्टिंग पर भेजा जाएगा और फिर सभी यूज़र्स के लिए पेश किया जाएगा।इसके अलावा हाल ही में वाबेटा इंफो ने अपने पोस्ट में बताया है कि मेटा एआई के लिए वॉट्सऐप वॉयस चैट मोड फीचर पर काम कर रहा है।

इससे मेटा एआई से बातचीत की जा सकेगी। इस फीचर को अभी वॉट्सऐप बीटा एंड्रॉयड 2.24.18.18 के लिए जारी किया गया है।

सेबी डेरिवेटिव ट्रेडिंग के लिए सख्त नियम लाएगा

- हर साल निवेशकों को लगती है 50,000 करोड़ से ज्यादा की चपत

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) डेरिवेटिव ट्रेडिंग के लिए जल्द ही सख्त नियम अधिसूचित करने पर विचार कर रहा है। बाजार नियामक के इस कदम का उद्देश्य अटकलबाजी वाली ट्रेडिंग गतिविधियों को काबू में करना है क्योंकि इससे हर साल खुदरा निवेशकों को कुल 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की चपत लगती है। उद्योग के भागीदारों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर बाजार नियामक ने जुलाई में जारी परामर्श पत्र में सात उपाय प्रस्तावित किए थे। मामले के जानकार ने कहा कि सेबी की आगामी बोर्ड बैठक में इसे मामूली बदलाव के साथ लागू किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार नियामक के पास प्रस्तावों को मंजूरी के लिए बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किए बिना ही अंतिम मानदंड जारी करने का भी प्रावधान है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि नियामक उन खुदरा निवेशकों के हित में जल्द से जल्द सुरक्षा तंत्र कायम करना चाहता है जो अक्सर इस क्षेत्र में अपना पैसा गंवाते रहते हैं। इस बारे में पुष्टि के लिए सेबी को ईमेल किया गया मगर खबर लिखे जाने तक जवाब नहीं आया। सेबी के परामर्श पत्र पर 20 अगस्त की समयसीमा तक आम लोगों और प्रमुख हितधारकों सहित 6,000 से अधिक इकाइयों की प्रतिक्रियाएं आईं। सेबी को उपायों का चरणबद्ध तरीके से लागू करना, ट्रेडरों के लिए योग्यता की शर्तें लगाना मानदंड और उच्च मार्जिन आवश्यकता तथा पोजीशन लिमिट से संबंधित नियमों को थोड़ा आसान बनाने के सुझाव प्राप्त हुए हैं। सेबी के प्रमुख प्रस्तावों में साप्ताहिक ऑप्शन अनुबंधों को प्रति एक्सचेंज एक सूचकांक तक सीमित करना, सौदे के निपटान के करीब उच्च मार्जिन की आवश्यकता तथा अनुबंध के आकार को बढ़ाना शामिल हैं। इसके साथ ही नियामक ने न्यूनतम अनुबंध आकार को मौजूदा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 15-20 लाख रुपये करने का भी प्रस्ताव किया है। अनुबंध शुरू होने के छह महीने बाद इसे और बढ़ाया जा सकता है। ये सुझाव एक विशेषज्ञ कार्यसमूह की सिफारिशों पर आधारित थे।

दलिप ट्रॉफी 2024 में अक्षर पटेल का कमाल का प्रदर्शन, फिफ्टी पूरी कर इंडिया डी के लिए बने संकटमोचक

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2024 के पहले राउंड में आज इंडिया सी वर्सेस इंडिया डी के बीच मैच खेला जा रहा है। अनंतपुर में खेले जा रहे इस मैच में इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। जहां इंडिया सी के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर और इंडिया डी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। इंडिया डी की शुरुआत बेहद खराब रही और 48 रनों तक टीम ने 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद क्रीज पर आए अक्षर पटेल और उन्होंने साबित कर दिया कि क्यों उन्हें संकटमोचक कहा जाता है। अक्षर ने 118 गेंदों पर 86 रनों की पारी खेली।

एक समय तो ऐसा लगा रहा था इंडिया 100 रन भी नहीं बना पाएगा, लेकिन अक्षर की तेज तर्रार पारी ने स्कोरबोर्ज पर कम से कम पहली पारी में 150 से ज्यादा रन तो खड़े कर दिए। 74 गेंद पर जब अक्षर 37 रन बनाकर खेल रहे थे, उसके बाद उन्होंने छक्का, चौका और छक्का लगाकर अपना पचासा पूरा किया। 78 गेंद पर उनका स्कोर फिर 53 रन पहुंच गया।

अक्षर का साथ अर्शदीप सिंह ने भी निभाया, जिन्होंने 33 गेंदों पर 13 रन बनाए। अर्शदीप के अलावा श्रीकर भरत और सारांश जैन ने भी 13-14 रनों की पारियां खेलीं। अक्षर ने अपनी पारी के दौरान 118 गेंदों का सामना किया और इस दौरान उनके बल्ले से 6 चौके और इतने ही छक्के निकले। इंटरनेशनल क्रिकेट में भी अक्षर इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों से टीम इंडिया को बाहर निकाल चुके हैं। अक्षर बैट के साथ-सात गेंद से भी कमाल करने में माहिर हैं।

हेड के तूफान से ऑस्ट्रेलिया ने 9.4 ओवर में ही स्कॉटलैंड को हराकर बनाया विश्व रिकार्ड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में 7 विकेट से जीत के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में एक नया रिकार्ड बनाया है। ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पावरप्ले में ही 36 गेंदों पर 113 रन बना दिये। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में 155 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआती 10 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। ट्रेविस हेड के 80 और मिचेल मार्श के 39 रनों की आक्रामक पारी से ऑस्ट्रेलिया ने केवल 9.4 ओवर में तीन विकेट पर 156 रन बना लिए। इस प्रकार उसने सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। हेड ने 17 गेंदों पर 8 चौके और 3 छक्के लगाये।

इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर स्कॉटलैंड को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। स्कॉटलैंड की टीम ने 9 विकेट पर 154 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुनसे ने सबसे ज्यादा 28 रन बनाये जबकि मैथ्यू क्रॉस ने 27 रनों की पारी खेली। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से शीन एबॉट ने 3 विकेट जबकि जेवियर बार्टलेट और एजम जाम्पा ने 2-2 विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने तूफानी शुरुआत करते हुए 6 ओवर में ही 113 रन बना दिये। इससे पहले पावरप्ले में साल 2023 में दक्षिण् अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 102 रन बनाए थे। वहीं तीसरे स्थान पर वेस्टइंडीज की टीम रही। उसने साल 2021 में श्रीलंका के खिलाफ पावरप्ले में 98 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज हेड ने केवल 17 गेंदों पर 8 चौके और 3 छक्के लगाकर अर्धशतक बनाया।

ऋषभ पंत की 20 महीने बाद रेड बॉल क्रिकेट में वापसी, सस्ते में लौटे पवेलियन

बेंगलुरु (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी 2024 के मुकाबले 5 सितंबर से शुरू हो गए हैं। जिसका पहला मैच इंडिया ए और इंडिया बी के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर खेला जा रहा है। इस मैच से ऋषभ पंत ने रेड बॉल क्रिकेट में वापसी की। पंत ने इससे पहले आखिरी बार मीरपुर में 22-25 दिसंबर 2022 तक बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। जिसके बाद वह सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए।

ऋषभ पंत की रेड बॉल क्रिकेट में वापसी सुखद नहीं रही। उन्होंने चौके से खाता तो खोला, लेकिन बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में कैच थमा बैठे। पंत 10 गेंद में 7 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

आकाश दीप की गेंद पर पंत ने गेंद को बाउंड्री के पार भेजने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते टाइमिंग मिस कर गए और शुभमन गिल ने मिड ऑफ से अपनी बाईं तरफ पीछे की ओर दौड़ते हुए डाइव लगाकर शानदार कैच लपक लिया। नीचे दिए वीडियो में भी आप शुभमन गिल को पंत का कैच पकड़ते हुए देख सकते हैं।

बीसीसीआई एजीएम 29 सितंबर को: सचिव का चुनाव नहीं, नए एनसीए का होगा उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की 93वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) यहां 29 सितंबर को होगी लेकिन इस बैठक में बोर्ड के नए सचिव का चुनाव होने की संभावना नहीं है। हालांकि एजीएम शहर के बाहरी इलाके में अत्याधुनिक राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के उद्घाटन के दौरान ही होगी क्योंकि बोर्ड के सभी सदस्य शहर में मौजूद रहेंगे।

दो दशक से अधिक समय पहले अस्तित्व में आने के बाद से एनसीए एम चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर से संचालित हो रहा है। एजीएम में बीसीसीआई के नए सचिव का चुनाव नहीं होगा लेकिन इस बैठक में चुनाव के लिए विशेष आम बैठक (एसजीएम) की तारीख तय की जा सकती है। निवर्तमान सचिव जय शाह के सर्वसम्मति से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का चेयरमैन चुने जाने के बाद नए सचिव की नियुक्ति अनिवार्य हो गई है।

शाह हालांकि एमजीएम में बीसीसीआई सचिव की अपनी मौजूदगी भूमिका नहीं छोड़ेंगे क्योंकि उन्हें आईसीसी चेयरमैन का प्रभार एक दिसंबर से संभालना है। सभी राज्य संघों को भेजे गए बैठक के 18 सूत्री एजेंडे में अन्य महत्वपूर्ण बिंदु आईसीसी बैठकों में बीसीसीआई के प्रतिनिधि की नियुक्ति है क्योंकि शाह अब उस भूमिका के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। आईसीसी में बोर्ड के प्रतिनिधि के लिए बीसीसीआई के मौजूदा अध्यक्ष रोजर बिन्नी के नाम पर चर्चा हो सकती है या यह पद नए सचिव को मिल सकता है। लेकिन 69 वर्षीय बिन्नी के लिए उम्र उनके पक्ष में नहीं है क्योंकि प्रशासन में शामिल होने के लिए अधिकतम उम्र 70 वर्ष है। इन दो महत्वपूर्ण मामलों के अलावा एजीएम में आईपीएल की संचालन परिषद में आम सभा के दो और भारतीय क्रिकेटर्स संघ (आईसीए) के एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा। एजीएम में बोर्ड की कुछ नियमित गतिविधियां भी शामिल होंगी जैसे 2024-25 के लिए वार्षिक बजट को स्वीकृति और लोकपाल तथा आचरण अधिकारी की नियुक्ति। बैठक में बीसीसीआई संविधान के अनुसार क्रिकेट समिति और स्थायी समिति की नियुक्ति की जाएगी, साथ ही नियम 27 के तहत नई अंपायर समिति का गठन किया जाएगा। एजीएम में घरेलू क्रिकेट से संबंधित शीर्ष परिषद द्वारा बनाए गए नियमों को मंजूरी देने के अलावा 'यौन उत्पीड़न रोकथाम नीति के तहत गठित बीसीसीआई की आंतरिक समिति की रिपोर्ट' पर भी विचार किया जाएगा।

केशव महाराज, जेडेन सील्स और डुनिथ वेलालागे आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए नामित

दुबई । दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी स्पिनर केशव महाराज के साथ डुनिथ वेलालागे और जेडेन सील्स को बृहस्पतिवार को आईसीसी महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। श्रीलंका के हरफनमौला वेलालागे ने भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में प्रभावित किया था। वेलालागे ने 108 रन बनाए और सात विकेट लिए थे जिससे श्रीलंका ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भारत को हराया। उन्होंने पहले वनडे में कैरियर की सर्वश्रेष्ठ 67 रन की पारी खेलने के साथ रोहित शर्मा और शुभमन गिल के विकेट भी लिए। बाएं हाथ के स्पिनर महाराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला 1-0 से जीतने में सूत्रधार की भूमिका निभाई। उन्होंने दो मैचों में 13 विकेट लिए। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज सील्स ने दूसरे टेस्ट में नौ विकेट समेत कुल 12 विकेट चटकाए।

पेरिस पैरालंपिक में भारतीय दल का प्रदर्शन ओलंपिक दल से भी बेहतर रहा , सरकार से मिले सहयोग की भी रही अहम भूमिका

पेरिस । इस बार पेरिस ओलंपिक में भारतीय पैरालंपिक दल का प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय पैरालंपिक दल ने अब तक 15 पदक पदक जीत लिये हैं जबकि अभी चार दिन और खेल होने हैं। भारतीय दल में 32 महिला खिलाड़ी भी शामिल रही हैं। सरकार ने पैरालंपिक दल को भी ओलंपिक दल की तरह ही सुविधाएं दी हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भी दल के सदस्यों का हौंसला बढ़ाया और उन्हें जीत पर बधाई दी। भारतीय खिलाड़ियों को विश्वस्तर का प्रशिक्षण और विदेशी कोच की भी सेवाएं उपलब्ध करायी गयीं। भारतीय पैरालंपिक दल दल का प्रदर्शन ओलंपिक दल से कहीं बेहतर रहा है। सरकार ने पैरालंपिक खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, उपकरण और विदेशी एक्सपोज़र के लिए हर संभव सहायता प्रदान की है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से इन एथलीटों को प्रशिक्षण के लिए शानदार सुविधाएं दी गई। पहली बार पैरालंपिक खिलाड़ियों के लिए एक समर्पित रिकवरी सेंटर बनाया गया, इसमें खेल विज्ञान उपकरण और विशेष पोषक आहार भी शामिल किये गये। एथलीटों में से 50 फीसदी पहली बार खेलों में भाग ले रहे हैं। भारतीय खिलाड़ी इस बार ब्लाइंड जूडो, साइक्लिंग और रोइंग जैसे खेलों में भी शामिल हुए।

विराट सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कमाई के मामले जितने आगे हैं। उतने ही आयकर भरने को लेकर भी हैं। विराट कोहली, महेन्द्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय क्रिकेटर सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 66 करोड़ का टैक्स भरा है। विराट कोहली सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले खिलाड़ी हैं। उनके बाद महेन्द्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और हार्दिक पांड्या जैसे क्रिकेटर हैं। धोनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में विराट कोहली के बाद सबसे अधिक 38 करोड़ का टैक्स भरा है। वहीं तेंदुलकर ने 28 करोड़, गांगुली ने 23 करोड़ और हार्दिक पांड्या ने 13 करोड़ का टैक्स भरा है। इस सूची में ऋषभ पंत 10 करोड़ के टैक्स के साथ 6ठे स्थान पर हैं। हैरानी की बात ये है कि इस सूची में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा शामिल नहीं हैं।

टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल अभी संन्यास नहीं लेंगे

-अगले माह एशियाई चैम्पियनशिप मे भाग लेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिगगज भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे। शरत ने कहा कि वह अभी एक और सत्र में भाग लेंगे। इसी के बाद उन्हें एशियाई चैम्पियनशिप के लिए पुरुष टीम की कप्तानी दी गयी है। एशियाई चैम्पियनशिप का आयोजन सात अक्टूबर से अस्ताना में किया जाएगा।

शरत एशियाई चैम्पियनशिप के लिए कजाखस्तान की यात्रा से पहले इस महीने के अंत में चाइना स्मैश में भी भाग लेंगे। शरत ने दोहा में 2025 विश्व चैम्पियनशिप में खेलने की भी योजना बनायी है। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा, 'अगले 9 महीने से एक साल तक मैं सक्रिय खिलाड़ी बना रहूंगा। इसके साथ ही मैं भारतीय टेबल टेनिस संघ (टीटीएफआई) के साथ एक ढांचा बनाने का प्रयास करुंगा जिससे खेल प्राधिकरण (साई) और टीटीएफआई के बीच अंतर कम किया जा सके और अधिक से अधिक कारपोरेट प्रायोजक सामने आएं।

शरत अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) के एथलीट आयोग में शामिल पहले भारतीय हैं। वह भारतीय ओलंपिक संघ में भी शामिल रहे हैं और निकट भविष्य में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एथलीट आयोग में एक सीट हासिल करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि वह साल 2026 एशियाई खेलों में भाग ले सकते हैं पर साल 2028 ओलंपिक में शामिल नहीं होंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी नॉमिनेट ही नहीं हुए, 21 साल में पहली बार हुआ ऐसा

स्पोर्ट्स डेस्क । क्रिस्टियानो रोनाल्डो और न ही लियोनेल मेसी 2024 में बैलन डी ओर पुरस्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए 30 उम्मीदवारों की सूची में जगह नहीं बना पाए। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेत कप्तान लियोनेस मेसी ने किसी भी अन्य खिलाड़ी (2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019, 2021 और 2023) की तुलना में सबसे अधिक बार बैलन डी ओर जीता है। लियोनेल मेसी को पिछले साल आठवीं बार विजेता घोषित किया गया था। तब उन्होंने 2022 के अंत में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप में जीत दिलाई थी। पुर्तगाली दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पांच बार (2008, 2013, 2014, 2016 और 2017) ये पुस्कार जीता है। साल 2008 से 2017 के बीच 10 साल तक लगातार क्रिस्टियानो रोनाल्डो या लियोनेल मेसी के नाम ही ये खिताब रहा था। साल 2018 में क्रोशियाई फुटबॉलर लुका मोड्रिक ने ये पुस्कार जीता था। फ्रांस फुटबॉल ने 2024 के लिए बुधवार 4 सितंबर 2024 को सूची जारी की। इसमें जूड बेलिंगहैम, विनीसियस जूनियर, किलियन एमबाप्पे, लैमिन यामल, निको विलियम्स और डेनी ओल्मो जैसे नाम शामिल हैं। पिछले सीजन में चैंपियंस लीग और ला लीगा जीतने वाले रियल मैड्रिड के पास किसी भी अन्य क्लब की तुलना में अंतिम 30 में अधिक उम्मीदवार थे। इस गर्मी में यूरो जीतने वाली स्पेनिश टीम के 6 खिलाड़ियों को अंतिम 30 में नामित किया गया था। जिसमें यमल, विलियम्स और ओल्मो के अलावा रॉड्री, एजेजांद्रो ग्रिमाल्डो और दानी कार्वाजल शामिल थे।

पाकिस्तान में नहीं होगी क्रिकेट, इंग्लैंड टीम अब श्रीलंका या यूएई में खेलेगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान की टेस्ट श्रृंखला की मेजबानी के लिए श्रीलंका या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे विकल्पों पर विचार करने की योजना बना रहा है। पाकिस्तान के टेस्ट मुख्य कोच के रूप में जेसन गिलेस्पी के पहले कार्यभार में, शान मसूद की अगुवाई वाली टीम अपनी घरेलू धरती पर बांग्लादेश के खिलाफ वाइटवॉश झेलने के बाद निचले स्तर पर पहुंच गई है।

2 मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान पीसीबी को दूसरे टेस्ट को रावलपिंडी में स्थानांतरित करना पड़ा, जो मूल रूप से कराची में आयोजित होने वाला था। अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कराची नेशनल स्टेडियम में निर्माण कार्य चल रहा था ऐसे में वहां मुकाबला करवाना ठीक नहीं था। चूंकि पाकिस्तान के कराची नेशनल स्टेडियम, लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम और रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए नवीनीकरण का काम चल रहा है। इसलिए संभव है कि मसूद और उनकी टीम को श्रीलंका या यूएई में खेलना पड़े।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा आयोजित विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के तहत पाकिस्तान ने तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की मेजबानी करनी है। पहला टेस्ट 7 अक्टूबर से मुल्तान में प्रस्तावित था जबकि दूसरा टेस्ट 15 अक्टूबर से कराची में तो तीसरा 24 अक्टूबर को रावलपिंडी में होना है। अगर पीसीबी यूएई में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करता है, तो आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के कारण अबू धाबी एकमात्र विकल्प होगा। क्योंकि क्रिकेट का महाकुंभ उत्सव 3 से 20 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह में होने वाला है। बांग्लादेश के खिलाफ हालिया हार के बाद पाकिस्तान वापसी करने को उत्सुक होगा। पाकिस्तान आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गया जोकि 1965 के बाद से इस प्रारूप में उनकी सबसे निचली रैंकिंग है।

जीवन चुनौती है लेकिन आपको इससे लड़ना होगा, पैरालंपिक में सिल्वर जीतकर बोले प्रणव

पेरिस (एजेंसी)। दुर्घटना के कारण व्हीलचेयर का सहारा लेने के लिए मजबूर प्रणव सूरमा अपने अंतिम नाम के अनुरूप खेलते हैं और अब पैरालंपिक खेलों में पदार्पण करते हुए रजत पदक जीतने के बाद उन्हें उचित प्रसिद्धि मिलेगी। सक्षम खिलाड़ियों के तार गोला फेंक की तरह की पैरा स्पर्धा क्लब थ्रो में बुधवार को प्रणव ने रजत पदक जीता जबकि उनके हमवतन धर्मबीर ने एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया।

प्रणव जब सिर्फ 16 साल के थे तब सीमेंट की शीट उनके ऊपर गिर गई जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उनके पैर और हाथ हिलना बंद हो गए। यहां तक कि लकड़ी के डंडे को पकड़ना भी उनके लिए बहुत मुश्किल काम है और उन्हें इसे पकड़ने और प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गोंद का इस्तेमाल करना पड़ता है। प्रणव ने फाइनल में 34.59 मीटर के थ्रो से रजत पदक जीतने के बाद कहा, 'हमने इस लम्हे के लिए दिन-रात काम किया है क्योंकि चिकित्सा स्थिति को देखते हुए बहुत सारी चीजें चल रही हैं और नियमित ट्रेनिंग तथा व्यायाम हमारी चिकित्सा स्थिति में एक बहुत बड़ी चुनौती है।'

कॉमर्स में स्नातक की डिग्री और बैंक में सहायक प्रबंधक हैं प्रणव

फरीदाबाद के प्रणव ने प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से कॉमर्स में स्नातक की डिग्री हासिल की है और वह एक राष्ट्रीयकृत बैंक में सहायक प्रबंधक भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी शारीरिक स्थिति को देखते हुए जीवन 'अपने आप में एक बहुत बड़ी चुनौती है।' प्रणव ने कहा, 'इसलिए इनसे उबरना और सही व्यायाम, सही रिकवरी, सही पोषण की तलाश करना... ये सभी मिलकर एक खिलाड़ी बनने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए हमने उन सभी चुनौतियों को पार किया और गौरव हासिल किया।'

गोंद उस तरह से काम नहीं कर पाया जैसा मैं चाहता था

उन्होंने कहा, 'हम एफ51 श्रेणी में खेलते हैं जो पैरा खेलों में सबसे गंभीर दिव्यांगता है। हमारी अंगुलियों में पकड़ नहीं है इसलिए हम अपने उपकरणों को पकड़ने के लिए एक चिपचिपी गोंद जैसी चीज का उपयोग करते हैं जो लकड़ी का क्लब होता है और हम थ्रो करते हैं।' प्रणव ने कहा कि मौसम की स्थिति के आधार पर गोंद एक चुनौती बन जाती है। उन्होंने कहा, 'अत्यधिक गर्मी में गोंद ढीला हो जाता है, जब बहुत अधिक ठंड होती है, तो गोंद सख्त हो जाता है और जब बारिश होती है तो यह फिसलन भरा हो जाता है।' प्रणव ने कहा, 'इसलिए हमें इसके अनुकूल होने और सर्वोत्तम संभव प्रयास करने की आवश्यकता है। मुझे लगता है कि गोंद उस तरह से काम नहीं कर पाया जैसा मैं चाहता था लेकिन हम किसी तरह अपना सर्वश्रेष्ठ संभव प्रयास करने में कामयाब रहे।'

कोहली को मानते हैं अपना आदर्श

प्रणव की सफलता उनके पिता संजीव की दृढ़ता का भी परिणाम है। संजीव ने प्रणव की देखभाल के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी क्योंकि परिवार के पास किसी व्यक्ति को इस काम पर रखने के लिए पैसा नहीं था। अगर कोई खिलाड़ी है जिसके प्रणव प्रशंसक हैं तो वह हैं दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली। प्रणव ने कहा, 'मैं बहुत लंबे समय से (माइकल) जोर्डन (एनबीए के सर्वकालिक महान खिलाड़ी) का प्रशंसक रहा हूं। अगर मैं खेलों में सबसे बड़े आदर्श की बात करूं तो मुझे लगता है कि वह मेरे लिए विराट कोहली ही हैं। उन्होंने भी अपने खेल करियर में उतार-चढ़ाव देखे हैं इसलिए उन्होंने इस पर काम किया, उन्होंने अपना समय लिया और आखिरकार किसी से भी ज्यादा मजबूत और बेहतर बनकर उभरे। इसलिए वह दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी हैं और मैं उन्हें अपना आदर्श मानता हूं।'

पाकिस्तान की इस महिला क्रिकेटर को रोहित-विराट को बधाई देना पड़ा महंगा, ट्रोल होने पर कर दी पोस्ट डिलीट

मुम्बई । पाकिस्तान की महिला क्रिकेटर निदा डार एक्स पर ट्रोलर्स के निशाने पर हैं। वहीं निदा को सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि भारत के फैंस भी जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इसके पीछे कारण टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं। दरअसल, निदा ने इन दोनों खिलाड़ियों को एक्स पर बधाई दी है जिसके बाद से ही उन्हें ट्रोलर्स के सामना करना पड़ रहा है। निदा डार ने एक्स पर रोहित शर्मा और विराट कोहली और भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि, भारत को टी20 वर्ल्ड कप जीतने पर बहुत बधाई। रइन लोगों ने वर्ल्ड क्रिकेट को बहुत कुछ दिया है। उनकी लीडरशिप स्किल और डेडिकेशन से इस दुनिया को बहुत प्रेरणा मिलती है। हैप्पी रिटायरमेंट्स लेजेंड्स। बता दें कि, निदा ने दो महीने बाद टीम इंडिया को बधाई दी है। भारत ने 29 जून को टी20 वर्ल्ड कप जीता था। यही कारण है कि फैंस ने निदा को आड़े हाथों लिया और कहा कि दो महीने बाद यादा आया है। वहीं कुछ के मुताबिक निदा टाइम ट्रैवल करने गईं और वहीं अटक गई। हालांकि, कुछ समय बाद निदा ने ये पोस्ट डिलीट कर दी।

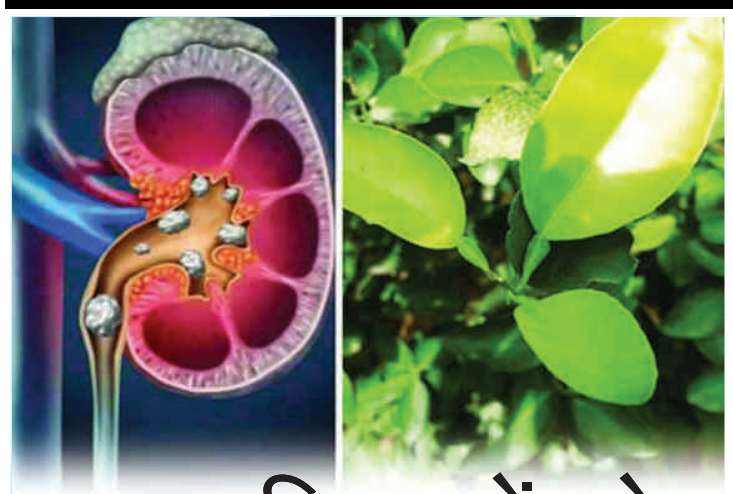

रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में मदद करते हैं नींबू के पत्ते

नींबू के पत्ते विटामिन सी से भरपूर होते हैं। नींबू के पौधे में पाया जाने वाला विटामिन पी आपके शरीर में रक्त वाहिकाओं को मजबूत करने में भी मदद करता है। साथ ही नींबू के पत्तों को एंटी-इंफ्लेमेंटरी प्रभाव के लिए भी जाना जाता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

नींबू के फायदे तो आपने बहुत सुना होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं इसकी पत्तियां भी किसी औषधी से कम नहीं होती है। नींबू के पत्ते का उपयोग आप कई तरह की बीमारियों से बचाव के लिए और इसे कंट्रोल करने के लिए कर सकते हैं। पर कई लोगों को ऐसा लगता है कि नींबू के पत्ते कड़वा होता है और किसी काम का नहीं होता। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि इन पत्तों को खाने या इनके जूस ही इन्हें केवल सूंघ लेने से भी कई तरह के फायदे होत हैं।

नींबू के पत्तों का सेवन कैसे करें ?

नींबू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है लेकिन इसे चबाकर खाने से बचना चाहिए। इसका सेवन आप चाय में मिलाकर, जूस के रूप में कर सकते हैं।

नींबू के पत्तों म एंटीवायरल, एंटी ऑक्सीडेंट, एल्कलॉइड, टैनिन, फ्लेवोनोइड और फेनोलिक तत्व शामिल होते हैं। साथ ही इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। इसके अलाव इसमें एंथेल्मिंटिक, एंटी-फ्लैटुलेंस, एंटीमाइक्रोबियल, एंटी-कैंसर, एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रभाव भी पाया जाता है।

किडनी में नहीं बनने देता स्टोन

एनसीबीआई में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, नींबू के पत्ते में पाया जाने वाला सिट्रिक एसिड किडनी में स्टोन को बनने और बढ़ने से रोकता है। ऐसे यदि आपको बार-बार किडनी में स्टोन हो जाता है तो यह आपके लिए यह किसी रामबाण से कम नहीं है।

माइग्रेन के दर्द से मिलेगी राहत

एक अध्ययन के अनुसार, नींबू के पत्ते माइग्रेन से पीड़ित लोगों के लिए फायदेमंद होता है। दरअसल, नींबू की पत्तियों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाया जाता है। माना जाता है कि एंटी-ऑक्सीडेंट प्रभाव शरीर के ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करके माइग्रेन की समस्या को सुधारने का काम करता है। एक्सपर्ट माइग्रेन और मानसिक रोगों से राहत पाने के लिए नींबू के पत्तों को सूंघने की सलाह देते हैं।

सोने की समस्या को करता है खत्म

रिसर्च के अनुसार, यदि आपको रात में नींद नहीं आती है, अनिद्रा की समस्या का शिकार हैं, तो नींबू के पत्ते आपके लिए दवा का काम कर सकते हैं। इसमें मौजूद सिट्रिक एसिड और अल्कलॉइड नींद से जुड़ी समस्या को दूर करने का काम करता है। ऐसे में नींबू के पत्तियों से बनाए गए तेल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

वजन रहता है कंट्रोल

यदि आप बढ़ते वजन से परेशान हैं तो नींबू के पत्ते आपकी इस परेशानी को खत्म कर सकता हैं। माना जाता है कि नींबू के पत्ते से बने जूस में पेक्टिन नामक घुलनशील फाइबर होता है, जो वजन घटाने में कारगर साबित हो सकता है। नींबू के पत्तों को पानी में उबालकर उस पानी को पीएं।

पेट के कीड़ों को मारता है

मेडिकल रिसर्च के मुताबिक, नींबू की पत्तियों में एंथेल्मिंटिक गुण होता है तो पेट के कीड़ों से छुटकारा दिलाने का काम करता है। ऐसे में नींबू की पत्तियों का उपयोग पेट के कीड़ों को खत्म करने के लिए किया जा सकता है। आप नींबू के पत्तों का रस और शहद को मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

घर पर ही करें ये एक्सरसाइज

मोटापा ना सिर्फ वॉडी शेप बिगाड़ता है बल्कि कई बीमारियां को भी न्योता देता है। मोटापे को कम करने और बॉडी को टोंड बनाने के लिए एक्सरसाइज करना बहुत जरूरी है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ में शरीर में लचीलापन और एनर्जी बढ़ती है। अगर आप जिम नहीं भी जा पाती तो घर पर ही कुछ एक्सरसाइज करें। चलिए आज हम आपको ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं जिन्हें आप घर पर आसानी से कर भी सकते हैं और इससे कैलोरी भी बर्न तेजी से बर्न होगी। वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज -

बर्पी एक्सरसाइज

बर्पी एक्सरासइज वजन कम करने के लिए बहुत असरदार है। अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन के अनुसार, इस एक्सरसाइज के जरिए 81 किलो का इंसान एक बार में लगभग 15 कैलोरी बर्न कर सकता है। वहीं, 60 सेकेंड में 10 बार बर्पी करने से वजन तेजी से कम होगा लेकिन एक्सरसाइज को लगातार रुटीन में किया जाए तो।

स्विमिंग एक्सरसाइज

घुटने की किसी चोट की वजह से अगर आप एक्सरसाइज नही कर पा रहे तो स्विमिंग करना आपके लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन है। इससे एक बार में 255 कैलोरी बर्न कर सकते हैं। इसके साथ बटरफ्लाई स्ट्रोक कर के 1/2 घंटे में 400 कैलोरी बर्न हो सकती है। दरअसल स्विमिंग करते समय पूरा शरीर काम करता है जिससे मोटापा तेजी से कम होता है। इसे सबसे अच्छी कार्डियो एक्सरसाइज माना जाता है।

स्क्वेट एक्सरसाइज

स्क्वाट की मदद से भी आप मोटापे को कम कर सकते हैं। सही तरीके से स्क्वेट करना काफी फायदेमंद होता है। शरीर के निचले भाग से वजन कम करने के लिए यह सबसे अच्छी एक्सरसाइज में से एक है। यह बॉडीबिल्डर और एथलीट के बीच काफी पॉपुलर है।

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक ऐसी एक्सरसाइज है जिससे आप कम समय में ज्यादा वजन कम कर सकते हैं। इससे शरीर की फैट बर्न करने की क्षमता बढ़ जाती है। कई घंटों जिम में पसीना बहाने से अच्छा यह एक्सरसाइज 20 मिनट के लिए करना ज्यादा फायदेमंद है।

जुंबा डांस एक्सरसाइज

अगर आप ज्यादा भार वाली एक्सरसाइज नही करना चाहते तो जुंबा डांस सबसे बेहतर है। यह आपकी पूरी बॉडी पर वर्क करती है। एंजॉय करने के साथ इससे आप वजन भी कम कर सकते हैं। यह तनाव कम करता है और शरीर में एनर्जी बढ़ाता है। हाई इंटेसिटी मूवमेंट की वजह से वजन जल्दी कम होता है।

पावर योगा

पावर योगा काफी असरदार है। यह ट्रेडिशनल योगा के मुकाबले जल्दी वजन कम करने में मदद करता है। इसमें ज्यादा मुश्किल योगासन होते हैं जो जल्दी-जल्दी किए जाते हैं इसलिए यह बेस्ट है।

साइकिलिंग

साइकिलिंग भी वजन कम करने का आसान और अच्छा ऑप्शन है। इससे आप काफी कैलीरी बर्न कर सकते हैं। रोजाना सुबह कम से कम लगातार आधा घंटा साइकिलिंग जरूर करें, आप पहले पहल 15 मिनट से शुरुआत कर सकते हैं।

नींद की कमी से होता है थायराइड

अगर आप ये सोचती हैं कि आप अपने बारे में सब कुछ जानती हैं तो ऐसा नहीं है। शरीर और सेहत से जुड़ी ऐसी बहुत-सी बातें हैं, जो ज्यादातर महिलाओं को पता ही नहीं होती और आज हम आपको उसी के बारे में बताएंगे। इसे पढ़ने के बाद आपको अंदाजा होगा कि कितना कुछ था जो आप अपने बारे में नहीं जानती हैं। तो चलिए आपको बताते हैं वो बातें, जिसे जानना हर महिला के लिए जरूरी है।

ज्यादा कसरत से होते हैं पीरियड्स अनियमित

महिलाएं वजन कंट्रोल करने के लिए हद से ज्यादा व्यायाम करने लगती हैं लेकिन ज्यादा कसरत करने से पीरियड्स अनियमित हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप नियमित मात्रा में एक्सरसाइज करें। साथ ही कसरत के बाद शरीर में हुई पानी की कमी को दूर करने के लिए दूध का सेवन करें।

ब्रेस्ट साइज में बदलाव

माहवारी के दौरान शरीर के हॉर्मोन लेवल में उतार-चढ़ाव आते हैं, जिसका असर ब्रेस्ट साइज पर भी पड़ता है। साथ ही गर्भधारण व मेनोपॉज के दौरान भी ब्रेस्ट और निपल्स के साइज का बदलना स्वाभाविक है।

व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या

पीरियड्स के बाद होने वाले डिस्चार्ज को लेकर परेशान न हों। इसके अलावा नार्मली होने वाला डिस्चार्ज भी अगर सफेद और साफ है तो आपको टेंशन लेने की कोई जरूरत नहीं है। मगर डिस्चार्ज का रंग हल्का पीला होने या उसमें से बदबू आने पर आपको तुरंत चेकअप करवाना चाहिए।

कम नींद से थायरॉइड

यह तो सभी जानते हैं कि भरपूर नींद अच्छी सेहत के लिए बहुत जरूरी है। मगर क्या आपको पता हैं कि 70% महिलाओं को थायराइड की समस्या नींद की कमी से होती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप अपनी पूरी नींद लें।

नाखूनों का बढ़ना

महिलाओं के नाखूनों की तुलना में पुरूषों के नाखून तेज गति से बढ़ते हैं। ऐसा हार्मोंस के कारण होता है। साथ ही नाखून के बढ़ने की गति गर्मियों में अधिक तेज होती है क्योंकि उस दौरान शरीर को ज्यादा मात्रा में विटामिन डी मिलता है।

धूप के कारण होती है झुर्रियां

महिलाएं अक्सर कम उम्र में झुर्रियां पड़ने को लेकर परेशान रहती है। मगर आप यह नहीं जानती कि 80% महिलाओं में झुर्रियां अत्यधिक धूप के कारण होती हैं। इसे दूर करने के लिए महिलाएं बोटॉक्स सर्जरी का सहारा लेती हैं लेकिन आप विटामिन सी का सेवन कर झुर्रियों को दूर कर सकती हैं।

पीरियड्स का ज्यादा ब्लीडिंग है डिसमेनोरिया का संकेत

पीरियड्स के दौरान प्राइवेट पार्ट में दर्द हल्का दर्द होना सामान्य है। कई बार वेजाइना का यह दर्द बर्दाशत करना मुश्किल हो जाता है। अगर हर बार इस तरह की तकलीफ हो रही है तो वह डिसमेनोरिया का संकेत हो सकता है। यह वुमेन हेल्थ कंडीशन है जो 7 में से 1 महिला को हो सकती है।

महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा होती है नींद की जरूरत

महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, जिसकी वजह से वो घर व ऑफिस में मेंटल एनर्जी का पुरुषों से ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। अगर वो भरपूर नींद न लें तो खपत हुई ऊर्जा को दोबारा बनाए रखने में बहुत परेशानी होती है। धीरे-धीरे इसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ता है इसलिए उन्हें पुरुषों से ज्यादा नींद की जरूरत होती है।

क्या है के पॉप डाइट

फिट और स्लिम रहने की चाह हर व्यक्ति की होती है, लेकिन आजकल का बिजी लाइफस्टाइल, खान-पान से जुड़ी बुरी आदतें और वर्कआउट की कमी के चलते यह सपना बहुत कम ही लोगों का पूरा हो पाता है। ऐसे में कई बार लोग अपने बढ़े हुए वजन से छुटकारा पाने के लिए खाना-पीना ही बंद कर देते हैं। जिसकी वजह से शरीर कमजोर होकर कई रोगों का घर बनने लग जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो कोरियन वेट लॉस डाइट आपकी मदद कर सकती है। दुनिया भर में लोग कोरियाई ब्यूटी टिप्स और उनके डाइट प्लान के दिवाने हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या होती है यह कोरियन 'के पॉप डाइट' और क्या हैं इसके फायदे।

क्या है के-पॉप डाइट ?

कोरियन डाइट या के-पॉप डाइट आजकल लोगों के बीच काफी चर्चा में बनी हुई है। इस डाइट की मदद से व्यक्ति बड़ी आसानी से अपना वजन कम कर सकता है। दरअसल, कोरियन डाइट में मील्स के बीच में स्नैक्स नहीं लिए जाते। इस डाइट में फैटी एसिड, शुगर या प्रोसेस्ड फूड को भी शामिल नहीं किया जाता है। के-पॉप डाइट में खाने को कम से कम प्रोसेस किया जाता है ताकि उसके गुण सुरक्षित रहें। इसमें ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है और शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। इससे वजन तो कम होता ही है साथ ही स्किन अच्छी होती है।

कोरिया की के-पॉप डाइट में क्या होता है

कोरियन डाइट में ज्यादातर सब्जियां शामिल होती है लेकिन शुगर या फैट की मात्रा बहुत कम होती है। डाइट फॉलो करनेवाले लोगों को आहार में कम कैलोरी वाले फूड्स जैसे-फल, सब्जियां, सूप और सलाद शामिल करना चाहिए, जो पौष्टिक होने के साथ पेट भरते हों। इसके अलावा डाइट में लीन मीट (चिकन), अंडे, टोफू, मशरूम और शिताके भी शामिल कर सकते हैं।

कोरियन डाइट प्लान के नियम

- कोरियन वेट लॉस डाइट प्लान में तय सीमा में कैलोरी लेने की सलाह नहीं दी जाती है। इस डाइट में व्यक्ति अपनी मर्जी से कैलोरी ले सकता है। इस डाइट प्लान में व्यंजनों, सूप और सब्जियों के ज्यादा से ज्यादा सेवन की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट प्लान के साथ ज्यादा से ज्यादा योग और एक्सरसाइज करने की सलाह दी जाती है।
- इस डाइट को फॉलो करने वाले लोग दिन में 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद भी जरूर लें।

के-पॉप डाइट के फायदे

- कोरियन डाइट में फाइबर की अधिकता होने से पेट भरा हुआ लगता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार भूख नहीं लगती। कैलोरीज का सेवन कम करने की वजह से वजन कम करने में मदद मिलती है।
- हल्का खाने से आपको कब्ज या पेट दर्द जैसी समस्या नहीं होती। इसमें हल्का खाना होता है जिससे पेट को आराम मिलता है।
- इस डाइट में प्रोटीन ज्यादा लिया जाता है। जो बालों की ग्रोथ के लिए अच्छा माना जाता है। कोरियन डाइट लेने से आपके बालों को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं जिससे बाल लंबे और घने बनते हैं।
- इस डाइट में आप तली हुई चीजें, फास्ट फूड या तेल का इस्तेमाल नहीं करते जिसके चलते चेहरे पर मुंहासों की समस्या से निजात मिलता है।

लाल मिर्ची के इस्तेमाल से

हार्ट अटैक पर पाया जा सकता है काबू

आजकल के ज्यादातर लोगों में सबसे गंभीर बीमारी हार्ट अटैक सामने आ रही है। अगर देखा जाए तो इस बीमारी की कोई उम्र सीमा नहीं हैं। यह बीमारी हमारे जीवनशैली यानी हमारे लाइफस्टाइल की वजह से होती हैं।

तनाव इस बिमारी की मुख्य वजह हैं। इस बीमारी का शिकार लोगों का ईलाज में लाखों रुपए लग जाते है। वहीं इस बीमारी का ईलाज आप 60 सेकंड में घर में भी कर सकते है वो भी मिर्च से। जी हां, मिर्च ऐसी चीज है अगर खाने में ना हो खाना ही बेस्वाद लगता है। और अगर यह खाने में ज्यादा हो जाए तो भी खाने वाले का बुरा हाल। अब बताते है कि लाल मिर्ची के इस्तेमाल से हार्ट अटैक पर केवल 60 सेकंड में काबू पाया जा सकता हैं। दरअसल एक मशहूर डॉक्टर जॉन क्रिस्टोफर का कहना हैं की, मैंने आज तक जितने भी हार्ट अटैक मरीजो के घर गया हूं उनमे से कोई भी मरा नहीं हैं। मैं उन्हें लाल मिर्च की चाय पिलाता हूं (एक कप गर्म पानी में एक चम्मच लाल मिर्च) और वह मिंटो में अपने पैरो पर खडे हो जाते हैं।

पुतिन की सबसे खास और भरोसमंद जासूस के शरीर पर मिले कई छेद और खून के धब्बे

मॉस्को। दुनियाभर में प्रसिद्ध व्हाइट बेलुगा व्हेल, जो ह्वाल्दिमीर के नाम से भी जानी जाती थी, की मौत चर्चा का विषय बना हुआ है। नार्वे के एनिमल राइट्स ग्रुप ने आशंका जाताई है कि उसकी हत्या की गई है। वहीं, जब एक्सपर्ट ने उस व्हेल की डेड बॉडी की जांच किया तो उस पर शरीर पर छेद और खून के धब्बे दिखे। वहीं, कई एनिमल डॉक्टर, जीवविज्ञानी और बैलिस्टिक एक्सपर्ट्स ने ह्वाल्डिमिर की चोटों के नमूने की जांच की। उनका कहना है कि इस व्हेल की मौत का कारण एक क्रिमिनल एक्टिविटी है। ह्वाल्दिमीर ने 2019 में पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था। 14 फुट लंबी और 2,700 पाउंड वजनी व्हेल के शरीर पर 5 साल पहले कैमरे लगाने वाले फीता के साथ दिखाई दी थी और फिर उसके रूस के हिस्से वाले समुद्री हिस्सों में पाए जाने के बाद से उसे रूसी जासूस माना गया था। ह्वाल्दिमीर व्हेल का नाम भी रूसी प्रेसिडेंट व्लादिमिर पुतिन के नाम को मिलाकर रखा गया है। इसके नाम के लिए नार्वेयाई भाषा के शब्द 'ह्वाल' और व्लादिमिर पुतिन के नाम व्लादिमीर को मिलाकर रखा गया था। वहीं, रूसी जासूस को लेकर एक सवाल पर नार्वे के दक्षिण-पश्चिमी पुलिस डिस्ट्रिक्ट अधिकारी ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया था। आपको बताते चलें कि ह्वाल्दिमीर व्हेल की डेड बॉडी शनिवार को दक्षिणी नॉर्वे के रिसाविका खाड़ी में मछली पकड़ रहे पिता और पुत्र ने बहते हुए दिखा था। डेड बॉडी को क्रेन की मदद से पानी से बाहर निकाला गया था। वहीं, मरीन माइंड ने बताया कि ह्वालदिमीर के मौत का कारण तुरंत पता लगाना संभव नहीं था, और इसलिए जब तक विभाग अपना काम पूरा नहीं कर लेता, तब तक अटकलों से बचना ज़रूरी है।

हिम्मत की बात ... जंग के बीच गाजा में 187,000 बच्चों को पोलियो टीका लगाया गया

जेनेवा। तीन दिवसीय पोलियो टीकाकरण अभियान के पहले चरण में गाजा पट्टी के 187,000 बच्चों को पोलियो टीका लगाया गया। टीका लगाए गए सभी बच्चे 10 साल से कम उम्र के थे। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र ने दी। यूएन ऑफिस फॉर द कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमन अफेयर्स (ओसीएचए) ने बताया कि अब यह अभियान गुरुवार से तीन दिनों के लिए गाजा के दक्षिणी क्षेत्र में शुरू होगा, जिसके बाद उत्तरी क्षेत्र में चलेगा। 640,000 से अधिक बच्चों को टीके की दो खुराक (प्रत्येक खुराक चार सप्ताह के अंतराल पर) देने का लक्ष्य रखा गया है। ओसीएचए ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयेसस ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों ने अब तक 187,000 बच्चों को टीका लगाया है। यह अभियान 10 महीने के बच्चे के पोलियो से आंशिक रूप से लकवाग्रस्त हो जाने के बाद शुरू किया गया था। ओसीएचए ने कहा कि टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए मध्य गाजा में 510 टीमें तैनात की गईं। इसमें 40 हेल्थ पार्टनर भाग ले रहे हैं। 17 स्वास्थ्य सेवा केन्द्र टीकाकरण संचालित कर रहे हैं और 23 अभियान के बारे में समुदायों को जानकारी दे रहे हैं। गौरतलब है कि गाजा में लड़ाई जारी रहने के बावजूद टीकाकरण किया जा रहा है। हमास नियंत्रित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि पिछले 24 घंटों में 42 लोग मारे गए हैं तथा युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 40,861 लोग मारे गए हैं। फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की मुख्य एजेंसी के प्रमुख फिलिप लाज़ारिनी ने लिखा, बहुत बढ़िया प्रगति! गाजा के मध्य क्षेत्रों में हर दिन, अधिक से अधिक बच्चों को पोलियो के खिलाफ टीके लग रहे हैं।

पाकिस्तान की पहली मोटर बाइकर बनी जेनिथ इरफान, अकेले बाइक से नाप दिया पूरा पाकिस्तान

लाहौर। लाहौर की रहने वाली जेनिथ इरफान पाकिस्तान की पहली मोटर बाइकर बन गई हैं, जिसने अकेले बाइक से पूरा पाकिस्तान नाप दिया। 29 साल की जीनत इरफान कई सालों से अकेले ही बाइक पर ट्रेवल करती हैं। उनकी

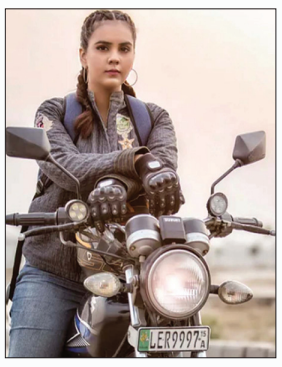

जिंदगी पर 'मोटरसाइकल गर्ल' नाम से फिल्म भी बन चुकी है। जीनत 12 साल की उम्र से बाइक चला रही हैं। देशभर में उन्होंने अकेले सफर किया। तूफानों के बीच से गुजरीं। बारिश हो या तेज हवा, वो चलती गईं। जब वो सिर्फ 20 साल की थीं, तो बाइक पर अकेले ही नॉर्दर्न पाकिस्तान नाप दिया था। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का ट्रिप भी बाइक से पूरा किया। आज लोग उनके जज्बे को सलाम करते हैं। जीनत का जन्म यूएई के शारजाह में हुआ था, लेकिन 12 साल की उम्र से ही वो पाकिस्तान में रह रही हैं। ब्लैक और ग्रे राइडिंग जैकेट में जब बाइक लेकर जीनत सड़कों पर निकलती हैं, तो लोग उन्हें देखकर खुश हो जाते हैं। उनकी तारीफ करते नहीं थकते। जीनत बताती हैं कि उनके पिता का सपना था कि बाइक पर वर्ल्ड टूर करें। उनकी ख?वाहिश को पूरा करने के लिए उन्होंने होंडा-125, सीडी-70 और सुजुकी जीएस-150 से सफर किया। उन जगहों पर भी गईं, जहां जाना लड़कियों के लिए सुरक्षित नहीं माना जाता। जेनिथ ने फेसबुक पर नदी पार करते हुए, कबीलाइयों के साथ और ट्रक ड्राइवर्स के साथ फोटोज शेयर किए हैं, जिसे हजारों लाइक्स मिले हैं। जीनत सोशल मीडिया पर अपनी ट्रैवल स्टोरी शेयर करती रहती हैं। उनके जुनून ने जल्द ही जेनिथ को राष्ट्रीय स्टार बना दिया है। जेनिथ ने कहा, मेरी मां काफी लिबरल हैं। उनसे ही मुझे ये ताकत मिली। मैं उस वक्त से बाइक चला रही हूं, जब पाकिस्तान में लड़कियों को पर्दे में रखा जाता था। लेकिन मेरे इस जुनून ने कई लोगों की सोच बदल डाली।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से विश्व में फैल रही गंभीर बीमारियां : अध्ययन

लंदन। पृथ्वी पर बढ़ती गर्मी के चलते जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव इंसानों पर गंभीर बीमारी बनकर कहर बरपा रहे है। हर उम्र के लोग किसी न किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। सर्दी, जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में इन बीमारियों की वजह से हर साल करोड़ों लोग जान गंवा रहे हैं। विश्व का कोई भी कोना हो, हर तरफ बीमारियों की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। मेडिकल साइंस की तमाम कोशिशों के बावजूद बीमारियों पर लगाम नहीं लग पा रहा है। आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों हो रहा है? एक ताजा अध्ययन में बीमारियां फैलने की सबसे बड़ी वजह का खुलासा हुआ है, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। एक मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि बढ़ती बीमारियों की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज यानी जलवायु परिवर्तन है। स्टडी में पता चला है कि दुनियाभर में इंसानों को प्रभावित करने वाली 375 संक्रामक बीमारियों में से 58 फीसदी डिजीज का प्रकोप क्लाइमेट चेंज की वजह से बढ़ गया है। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु संबंधी खतरों को बढ़ा रहा है, जिसके कारण इंसान मौत के मुंह में जा रहे हैं। बैक्टीरिया और वायरस फैलने के लिए क्लाइमेट में बदलाव काफी हद तक जिम्मेदार हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भविष्य में अगर क्लाइमेट चेंज को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो परिस्थितियां ज्यादा गंभीर हो सकती हैं। शोधकर्ताओं ने इन्फ्लुएंजा, मलेरिया और सार्स जैसे रोगों को प्रभावित करने वाले जलवायु खतरों की तलाश में 77000 से ज्यादा स्टडीज की जांच की। इनमें पता चला कि ज्यादा गर्मी, सूखा, जंगल की आग, अत्यधिक वर्षा, बाढ़, तूफान। समुद्र के लेवल में वृद्धि, महासागरीय जलवायु परिवर्तन और भूमिगत बदलाव बीमारियों की प्रमुख वजह बनकर सामने आए हैं। इन कारणों की वजह से मलेरिया, इंफ्लुएंजा, सार्स, अस्थमा, स्किन एलर्जी जैसे रोग गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन रहे हैं।

मिस्र में चीन की पीएलए की वायुसेना के विमान करतब दिखाते हुए।

पुतिन यूक्रेन से बातचीत को तैयार... लेकिन 2022 के समझौते पर

मास्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन के साथ वार्ता के लिए तैयार है, लेकिन केवल उस समझौते के आधार पर जो 2022 में इस्तांबुल में रूस और कीव के वार्ताकारों के बीच तय हुआ था। पुतिन ने कहा, क्या हम उनके साथ बातचीत के लिए तैयार हैं? हमने कभी मना नहीं किया, लेकिन कुछ अस्थायी मांगों के आधार पर नहीं, बल्कि उन दस्तावेजों के आधार पर जो इस्तांबुल में सहमत और प्रारंभ किए गए थे। रूस ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने कुर्स्क क्षेत्र में घुसपैठ की, जिससे सुरक्षा स्थिति में खलल पड़ा और बातचीत की संभावनाओं को प्रभावित किया। घटना के बाद रूस ने वार्ता की संभावना को कम कर दिया था, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। पुतिन ने स्पष्ट किया है कि रूस बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन केवल उन दस्तावेजों के आधार पर जो पहले से सहमत हो चुके हैं। उनका कहना है कि अस्थायी और नई मांगों पर चर्चा नहीं होगी। रूस का साफ कहना है कि वार्ता के लिए पूर्व में सहमत दस्तावेज और शर्तों के आधार पर ही चर्चा की जाएगी। इस संघर्ष के कारण वैश्विक समुदाय, विशेषकर यूरोपीय देशों और अमेरिका ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध और राजनयिक दबाव डाला है। इसके साथ ही यूक्रेन को सैन्य और मानवीय सहायता भी प्रदान की जा रही है।

क्या है इस्तांबुल समझौता?

2022 में इस्तांबुल में रूस और यूक्रेन के बीच हुई वार्ता के दौरान एक समझौते पर सहमति बनी थी, जिसे दोनों पक्षों ने प्रारंभ किया था। इस समझौते में संघर्ष को कम करने और बातचीत के जरिए समाधान खोजने की दिशा में कदम उठाने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, इस समझौते को लागू नहीं किया जा सका, और दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी रहा। पुतिन का कहना है कि वह केवल इसी समझौते के आधार पर बातचीत के लिए तैयार हैं, और किसी भी नई मांग या शर्तों को मानने से इंकार करते हैं।

कनाडा की ट्रूडो सरकार पर गहराया संकट, एनडीपी ने लिया समर्थन वापस

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो को बड़ा झटका लगा जब उनकी अल्पमत सरकार को समर्थन देने वाली न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने अपना समर्थन वापस ले लिया है। इसके बाद ट्रूडो को सरकार गिरने का डर सताने लगा है और वह नए गठबंधन की तलाश में जुट गए है। एनडीपी नेता जगमीत सिंह ने 2022 में ट्रूडो के साथ किए समझौते को रद्द करने का ऐलान करते हुए कहा कि उनका धैर्य अब खत्म हो गया है। ट्रूडो ने शुरुआती चुनाव की बातों को खारिज करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता कनाडाई जनता के लिए सामाजिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि हम कनाडाई लोगों के लिए काम करेंगे और उम्मीद करते हैं कि अगले चुनाव तक हम अपने कार्यक्रम पूरा कर लेंगे।

समर्थन वापसी के बाद ट्रूडो अब विपक्षी दलों पर निर्भर हो गए हैं। खासकर जब संसद में विश्वास मत की जरूरत होगी। यदि अब चुनाव होते हैं, तो हालिया सर्वे के मुताबिक ट्रूडो की लिबरल पार्टी को हार का सामना करना पड़ सकता है। कनाडा में अगला चुनाव अक्टूबर 2025 में होना है। ट्रूडो 2015 से कनाडा के पीएम हैं, पिछले कुछ सालों से विपक्षी दलों, विशेष रूप से कंज़र्वेटिव पार्टी द्वारा महंगाई और आवास संकट को लेकर आलोचना का सामना कर रहे हैं।

एनडीपी के समर्थन से उनकी सरकार ने कई सामाजिक कार्यक्रमों को लागू किया है, जिनमें से एक राष्ट्रीय डेंटल प्रोग्राम भी है। जगमीत सिंह ने खासकर खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को लेकर उनकी निराशा सबसे ज्यादा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर कहा कि जस्टिन ट्रूडो ने बार-बार कॉर्पोरेट लालच के सामने घुटने टेक दिए हैं। लिबरल्स ने जनता को धोखा दिया है और उन्हें दूसरा मौका नहीं मिलना चाहिए। हालिया सर्वे के मुताबिक एनडीपी तीसरे स्थान पर है, जबकि सिंह ने पीएम पद के लिए अपनी दावेदारी का ऐलान किया है। कंज़र्वेटिव नेता पियरे पोलीएवर ने भी सिंह और ट्रूडो पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों ने मिलकर देश की आर्थिक स्थिति को खराब किया है और जनता को संकट में डाला है। उन्होंने कार्बन टैक्स चुनाव की मांग की, ताकि जनता यह तय कर सके कि वे मौजूदा गठबंधन को चुनते हैं या कॉमन सेंस कंज़र्वेटिव सरकार को।

रूस के यूक्रेन पर घातक हमले से पौलेंड हुआ सतर्क, वायुसेना को किया अलर्ट

वारसा (एजेंसी)। रूस के यूक्रेन पर किए गए मिसाइल हमलों के बाद पोलैंड ने अपनी सीमा पर वायुसेना को एक्टिव कर दिया है और विमान भेज दिए हैं। इस साल यूक्रेन पर रूस का यह सबसे घातक हमला था जो मंगलवार को किया गया। पोल्टावा के केंद्रीय शहर में एक सैन्य संस्थान पर हमला किया गया। बैलिस्टिक मिसाइलों के इस हमले में 50 से ज्यादा लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए हैं। रूस ने अभी तक पोल्टावा पर और कीव पर किए गए हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रूस लंबे समय से जोर देता रहा है कि उसके हमले केवल सैन्य, एनर्जी और ट्रांसपोर्ट बुनियादी ढांचे को टारगेट करते हैं, न कि आम नागरिकों को।

पोलैंड ने अपने हवाई क्षेत्र को सुरक्षित करने सभी कदम उठाए हैं, क्योंकि हाल ही में रुसी सेना ने यूक्रेन पर मिसाइलों से हमला किया था। पोलैंड की वायुसेना ने पश्चिमी यूक्रेन को निशाना बनाने वाली रूसी मिसाइलों से देश के हवाई क्षेत्र की रक्षा के लिए जेट विमानों को तैनात किया है। दक्षिण-पूर्वी पोलैंड में वायुसेना गश्त कर रही है जो यूक्रेन की सीमा से सटा हुआ है।

रूस के हमले में पोलैंड को कोई नुकसान तो नहीं हुआ है, लेकिन उत्तरी यूक्रेनी शहर खार्किव में एक बड़े स्टोर पर रूसी हमले में 12 लोग मारे गए और 43 घायल हो गए थे। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने हवाई हमले को पुतिन का पागलपन बताया है। पोलैंड ने 520 मिलियन डॉलर के नए सैन्य सौदों की घोषणा हाल ही में की है। वह अपनी सुरक्षा के लिए सभी बंदोबस्त कर रहा है। पोलैंड वर्तमान में अपने जीडीपी का 4 फीसदी रक्षा पर खर्च करता है। यह किसी भी नाटो मेंबर का सबसे ज्यादा अनुपात है और अगले साल यह संख्या 4.7 फीतसदी तक बढ़ सकती है।

भारत में मुंह पर ताला लगा कर रहे हसीना... राजनैतिक बयानबाजी सही नहीं

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में पांच अगस्त को हुए तख्तापलट के बाद से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में हैं। इस बीच बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना को लेकर कड़ा बयान दिया है।

यूनुस का कहना है कि शेख हसीना भारत में बैठकर बांग्लादेश को लेकर राजनीतिक बयानबाजी कर रही हैं, जो सही नहीं है। उन्हें दोनों मुल्कों के बीच सौहार्द को बनाए रखने के लिए मुंह पर ताला लगाकर बैठना होगा। हम भारत सरकार से उनके प्रत्यर्पण का अनुरोध करने वाले हैं। यूनुस ने कहा कि अगर भारत हसीना को उनके बांग्लादेश प्रत्यर्पण तक रखना चाहता है तब इसके लिए शर्त यही है कि शेख हसीना को चुप रहना होगा। यूनुस ने इंटरव्यू के दौरान कहा कि बांग्लादेश, भारत के साथ मजबूत संबंधों को तरजीह देता है। भारत को भी उस नैरेटिव से ऊपर उठकर देखना होगा, जिसमें वह अवामी लीग को छोड़कर बांग्लादेश की अन्य पार्टियों को इस्लामिक पार्टियों के तौर पर देखता है। भारत सोचता है कि हसीना के बिना बांग्लादेश एक तरह से अफगानिस्तान में तब्दील होगा। उन्होंने कहा कि हम भारत में शेख हसीना के रुख से सहज नहीं है। हम उनका जल्द से जल्द प्रत्यर्पण चाहते हैं ताकि उन पर मुकदमा चलाया जा सके। अगर वे भारत में चुपचाप बैठती तब हम उन्हें भूल चुके होते। बांग्लादेश के लोग भी उन्हें भुला चुके होते लेकिन भारत में बैठकर वह लगातार बयान दे रही हैं। यह किसी को पसंद नहीं है। बांग्लादेश की सरकारी नौकरियों में उन लोगों के परिवारों को आरक्षण मिलता था, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ आजादी की लड़ाई में भूमिका निभाई थी। इस कोटे के खिलाफ वहां उग्र प्रदर्शन शुरू हुए थे।

पोप फ्रांसिस का संदेश... अपना धर्म दूसरों पर न थोपें

जकार्ता (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाले देश इंडोनेशिया को पोप फ्रांसिस ने धार्मिक अतिवाद के खिलाफ नसीहत दी है। पोप फ्रांसिस ने इंडोनेशिया के नेताओं से कहा कि वे लोगों को धार्मिक अतिवाद से बचाएं। धार्मिक अतिवाद ने धोखे और हिंसा के माध्यम से लोगों की मान्यताओं को बदला है। पोप फ्रांसिस 9 दिनों के दक्षिण पूर्व एशिया दौरे पर हैं, जहां ईसाई समुदाय अल्पसंख्यक है। पोप पहली बार दक्षिण पूर्व एशिया में इतने लंबे समय के लिए पहुंचे हैं। अपने दौरे में उन्होंने स्थानीय कैथोलिक ईसाइयों से कहा कि वे अपना धर्म दूसरों पर न थोपें।

पोप ने कहा कि कैथोलिक चर्च अलग-अलग धर्मों के बीच बातचीत बढ़ाने में अपना सहयोग बढ़ाएगा ताकि धार्मिक अतिवाद को रोकने में मदद मिले। जकार्ता के राष्ट्रपति भवन में दिए अपने भाषण में 87 साल के पोप ने कहा, इस तरह हम पूर्वाग्रहों को खत्म कर सकते हैं, आपसी सम्मान और विश्वास का माहौल बढ़ सकता है। धार्मिक अतिवाद और असहिष्णुता जैसी आम चुनौतियों का सामना करने के लिए यह जरूरी है। ये चुनौतियां धर्म को बदलवाकर धोखे और हिंसा का

इस्तेमाल कर अपने विचारों को थोपने की कोशिश करती है।

बात दें कि इंडोनेशिया की आबादी 28 करोड़ है जिसमें से 87 प्रतिशत लोग मुस्लिम समुदाय से हैं। मुस्लिमों की बहुलता के बावजूद इंडोनेशिया इस्लामिक देश नहीं है, बल्कि इसके संविधान में सभी धर्मों के पालन की आजादी की बात कही गई है।

इंडोनेशिया में दो दशक पहले इस्लामी हिंसा के बड़े मामले देखने को मिलते थे। 2002 में बाली में बमबारी हुई थी जिसमें 88 ऑस्ट्रेलियाई सहित 202 लोग मारे गए थे। हालांकि, उसके बाद से धार्मिक चरमपंथ में बहुत हद तक गिरावट आई है।

पोप से मुलाकात के दौरान इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने इजरायल-गाजा युद्ध में युद्धविराम के आह्वान के लिए फ्रांसिस को धन्यवाद दिया।

पोप घुटने और पीठ के दर्द से पीड़ित हैं, इसकारण वे राष्ट्रपति भवन में व्हीलचेयर पर पहुंचे। अपने भाषण में पोप ने किसी खास हिंसक घटना का जिक्र नहीं किया लेकिन अतिवाद, असहिष्णुता और धर्मांतरण पर बात की।

उन्होंने कहा, कई बार ऐसा होता है जब भगवान में आस्था को...दुर्भाग्य से शांति, एकता, बातचीत, सम्मान, सहयोग और भाईचारे को आगे बढ़ाने के बजाय विभाजन और नफरत को बढ़ावा देने में बदल दिया जाता है।

अपने धर्म को दूसरों पर थोपना...

राष्ट्रपति भवन में भाषण देने के बाद पोप फ्रांस जकार्ता के चर्च के स्थानीय कैथोलिकों से मिले। इस दौरान उन्होंने कहा कि चर्च की शिक्षाओं का पालन करने का मतलब कतई ये नहीं है कि अपने धर्म को दूसरों पर थोपा जाए या इस दूसरों का विरोधी बना दिया जाए।

कमला हैरिस को हराना चाहते हैं पुतिन? अमेरिका ने लगाए गंभीर आरोप

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे पावरफुल देशों में से एक अमेरिका की सबसे ताकतवर कुर्सी पर जो बैठेगा, उससे ग्लोबल राजनीतिक और पावर पॉलिटिक्स के समीकरण भी तय होंगे। जो बाइडन एडमिनिस्ट्रेशन ने व्लादिमीर पुतिन पर अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में हस्तक्षेप करने और इसे 'प्रभावित' करने का आरोप लगाया है। आखिर क्या वजह है कि डेमोक्रेटिक कैंडिडेट और अमेरिका में प्रेजिडेंट पद की मजबूत दावेदार, युवा अमेरिकियों की खास पसंद बनकर उभरीं कमला हैरिस को रूस हराना चाहते है। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव होना है। राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस का रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप से मुकाबला होगा। 10 सितंबर को कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच आखिरी और सबसे महत्वपूर्ण प्रेजिडेंशल डिबेट होनी है।

अमेरिका में अवैध तरीके से एंट्री करना, नरक के बीच में जिंदगी गुजरना

-डंकी रूट पर डकैती, रेप जैसे घटनाओं का करना पड़ता है सामना

वाशिंगटन (एजेंसी)। सपने, समृद्धि, सफलता दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर खींचती है। जिसकी चाहत में लोग दुनिया के किसी भी कोने में जाने को तैयार रहते हैं। सपनों को साकार करने सैकड़ों भारतीय भी इन लोगों में शुमार हैं। अपने ख्वाबों को पूरा करने के लिए हजारों भारतीय अपनी जान पर खेलकर अवैध रूप से अमेरिका पहुंच रहे हैं। डंकी रूट का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो घने जंगलों, कठिन रास्ते वाले इलाकों और उबड़-खाबड़ पानी से होकर गुजरता है।

एक एजेंट ने खुलासा किया कि अमेरिका में अवैध तरीके से एंट्री करने वाले 10-12 फीसदी लोग रास्ते में ही मारे जाते हैं। मानव तस्कर अवैध प्रवासियों को अमेरिका ले जाने के लिए करीब 50 हजार से एक लाख डॉलर यानी करीब 40 लाख से 80 लाख रुपए लेते हैं। शाहरुख खान स्टारर फिल्म डंकी डंकी रूट या डंकी फ्लाइट पर आधारित है, जिसे हजारों भारतीय हर साल अमेरिका, ब्रिटेन या किसी अन्य यूरोपीय देश तक पहुंचने के लिए अपनाते हैं।

इस सफर में तमाम देशों से होते हुए कई पड़ावों से गुजरना पड़ता है, जिनमें पनामा, कोस्टा रिका, अल साल्वाडोर और ग्वाटेमाला जैसे मध्य अमेरिकी देश शामिल हैं, इस खतरनाक सफर में दो साल तक लग जाते हैं। इसमें कई जोखिम होते हैं, जिसमें डकैती, गंभीर चोटें, रेप और आपराधिक गिरोहों के हाथों मौत शामिल है। यह एकमात्र रास्ता नहीं है, जिसके जरिए अवैध अप्रवासी अमेरिका में घुसने की कोशिश करते हैं। अवैध अप्रवासी कनाडा के जरिए भी अमेरिका में प्रवेश करते हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में करीब 725,000 अनधिकृत भारतीय अप्रवासी हैं, जो उन्हें मेक्सिको और अल साल्वाडोर के बाद तीसरा सबसे बड़ा ग्रुप बनाता है। 2023 में रिकॉर्ड 96,917 भारतीयों को अमेरिका में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया था। 36 वर्षीय अवैध प्रवासी सुभाष ने बताया कि उन्होंने अपनी सेविंग खर्च की और पैसे उधार लेकर एक गिरोह को 50,000 डॉलर दिए, जिससे वह अमेरिका पहुंच सके। हालांकि, पैसे देने के बाद, उन्हें नेपाल के काठमांडू ले जाया गया, जहां उनका अपहरण कर लिया गया और फिरौती के लिए रखा गया।

अमेरिका पहुंचने और ख्वाबों को पूरा करने की बेताबी भारत में बेरोजगारी, कम आय और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में संकट से प्रेरित है। कई परिवार इन अवैध प्रवास सर्विसेज का भुगतान करने के लिए अपनी जमीन, गहने और यहां तक अपने घर भी बेच देते हैं। इस सफर में जोखिम बहुत हैं। अवैध प्रवासियों को सफर के वक्त पकड़े जाने, प्रताड़ित किए जाने, जेल जाने या मारे जाने की आशंका का सामना करना पड़ता है।

जोगिंदर ने यौन हमलों के बारे में बताया कि माफिया, बॉर्डर्स को कंट्रोल करते हैं। रास्ते में कई गलत घटनाएं होती हैं और महिलाओं के साथ

भयानक चीजें होती हैं, मैं यहां यह नहीं कह सकता. लेकिन उन्हें अमेरिका पहुंचने के लिए यह सब सहना पड़ता है। छात्र मलकीत सिंह को अमेरिका पहुंचने की कोशिश में तस्करों ने मार डाला। अमेरिका पहुंचने का यह ख्वाब एक नरक से होकर गुजरता है, लेकिन यह उन हजारों लोगों को नहीं रोक पाता, जो अमेरिका पहुंचने के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खालिस्तानियों के लिए भारत से पंगा लेने वाले ट्रूडो की कुर्सी पर संकट

नई दिल्ली ।

खालिस्तानियों के लिए भारत से बार बार पंगा लेने वाले कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की कुर्सी खतरे में आ गई है। ट्रूडो को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब जगमीत सिंह की न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) ने सप्लाई-एंड-कॉन्फिडेंस डील से खुद को अलग कर लिया। जगमीत सिंह की एनडीपी जस्टिन ट्रूडो की अल्पमत वाली लिबरल सरकार को सत्ता में बनाए रखने में मदद कर रही थी। हालांकि, इसका मतलब ये नहीं है कि ट्रूडो के सामने तुरंत पद छोड़ने और नए सिरे से चुनाव कराने का खतरा है। लेकिन सरकार गिरने का जोखिम बना हुआ है।

जगमीत सिंह ने कहा, 'लिबरल बहुत कमजोर हैं, बहुत स्वार्थी हैं और लोगों के लिए लड़ने के लिए कॉर्पोरेट हितों के प्रति समर्पित हैं। वो बदलाव नहीं ला सकते- वो उम्मीदों पर खड़े नहीं उतर सकते। उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने लोगों को निराश किया है। वे कॉर्पोरेट लालच पर अंकुश लगाने में विफल रहे हैं।' उन्होंने कहा कि उनका संगठन ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अगले चुनाव में पियरे पोइलीवर की कंजर्वेटिव पार्टी की जीत की कोशिश को नाकाम कर सकती है।रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिन ट्रूडो ने न्यूफाउंडलैंड प्रांत के दौरे के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं कनाडाई लोगों पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। उन्होंने नेशनल डेंटल प्रोग्राम सहित लिबरल-एनडीपी गठबंधन की उपलब्धियों को भी सूचीबद्ध किया। 2022 के समझौते के तहत एनडीपी अधिक सामाजिक कामों के बदले में 2025 के मध्य तक जस्टिन ट्रूडो को सत्ता में बनाए रखने के लिए सहमत हुई थी। ट्रूडो ने पहली बार नवंबर 2015 में पदभार संभाला था और सर्वे से पता चलता है कि ट्रूडो के पक्ष में अब जरा भी माहौल नहीं है। हालांकि, जगमीत सिंह की पार्टी भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है, क्योंकि वो चुनावों में तीसरे स्थान पर है। एनडीपी के हटने से पहले ट्रूडो की पार्टी ने कहा कि यह शर्म की बात होगी, अगर उनकी अपनी कमजोरी और हताशा ने उन्हें एक प्रगतिशील समझौते से दूर जाने के लिए मजबूर किया जो कनाडाई लोगों के लिए काम कर रहा है।

सप्लाई और कॉन्फिडेंस डील गठबंधन सरकारों से अलग होती

हैं, जहां कई पार्टियां संयुक्त रूप से कैबिनेट में काम करती हैं और साथ मिलकर सरकार चलाती हैं। जस्टिन ट्रूडो को अब हाउस ऑफ कॉमन्स चैंबर में अन्य विपक्षी सांसदों का समर्थन हासिल करना होगा। तभी वो बजट पास करा पाएंगे और विश्वास मत जीत सकेंगे। जगमीत सिंह ने एक वीडियो में कहा कि वह 2022 में दोनों नेताओं के बीच हुए एक समझौते को 'रद्दी की टोकरी' में डाल रहे हैं। उन्होंने ट्रूडो पर विपक्षी कंजर्वेटिव का मुकाबला करने में सक्षम न होने का आरोप लगाया। सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि कंजर्वेटिव अक्टूबर 2025 के अंत तक होने वाले चुनाव में आसानी से जीत हासिल करने के लिए तैयार हैं। सीएनएन-न्यूज18 से बात करते हुए

सूत्रों ने कहा कि एनडीपी की डील से हटने की योजना महीनों से चल रही थी।

बाबा रामदेवरा में दर्शन करने उमड़ रही भक्तों की भीड़, सुरक्षा व्यवस्था सख्त

जोधपुर। प्रसिद्ध लोक देवता बाबा रामदेवरा का मसूरिया मेला शुरू हो गया है। बाबा के दर्शन के लिए बुधवार रात से ही भक्तों यहां आना शुरू हो गया। तड़के 4:15 बजे भव्य मंगला आरती की गई। पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों से भी नजर रखी जा रही है। भक्तों को असुविधा न हो इसके लिए मेला स्थल पर कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। वहीं ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र चौहान ने बताया अब तक करीब 25 से 30 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। यहां से भक्त आगे रामदेवरा जा रहे हैं।जोधपुर के एडिशनल एसपी निशांत भारद्वाज ने कहा कि बाबा रामदेवरा के मंदिर में दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ रही है। भीड़ को देखते तीन शिफ्ट लगाई गई हैं। रात में भारी भीड़ हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मसूरिया मंदिर के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने बताया कि जब बाबा रामदेव ने रूणेचा में समाधि ली थी तब कहा था कि मेरी समाधि पर आने से पहले जो मेरे गुरु की समाधि के दर्शन करेगा, उसकी मनोकामना जरुरी पूरी होगी। इसलिए मेले में रामेदवरा जाने से पहले श्रद्धालु जोधपुर में उनके गुरु की समाधि के दर्शन करने जाते हैं। इससे उनकी मनोकामना पूरी होती है। हर साल जोधपुर में करीब दस लाख लोग दर्शन के लिए आते हैं।

ओम पर्वत पर बर्फ से बनी ऊं की आकृति गायब.....चिंतित पर्यावरण विशेषज्ञ

अल्मोड़ा ।

अपनी खास बनावट के लिए जाने वाले ओम पर्वत पर बर्फ से बनी ऊं की आकृति हट गई है। जानकारों के अनुसार इसका हटना वैश्विक और स्थानीय पर्यावण के संकट को दर्शा रहा है। अगस्त के तीसरे हफ्ते में यह बर्फ गायब हुई थी।

वैज्ञानिकों के अनुसार, इस घटना को जलवायु परिवर्तन के असर के तौर पर देखा जा सकता है। ओम पर्वत भारत, चीन और नेपाल की सीमा से लगा हुआ है। यह पर्वत कैलाश मानसरोवर यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव भी है। चीन सीमा से सटे लिपुलेख तक सड़क बनने के बाद यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या भी बढ़ गई। अल्मोड़ा के जीबी पंत इंस्टीट्यूट में सेंटर फॉर एनवायरमेंटल असेसमेंट एंड क्लाइमेट चेंज सेंटर के जेसी कुनियाल के अनुसार, विश्वभर में मौसमी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन का असर ओम पर्वत पर दिखाई दिया है। वैश्विक तापमान बढ़ रहा है और ग्लेशियर इससे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि जंगलों में आग की घटनाएं और इसका दायरा बढ़ रहा है। जंगल की आग से निकला ब्लैक कार्बन ग्लेशियर पर असर डालता है। ग्लेशियर की अच्छी सेहत के लिए उसके नीचे के बुग्यालों में अच्छी घास होनी चाहिए। अल्पाइन क्षेत्र में वनों की सेहत अच्छी होनी चाहिए। इससे तापमान संतुलित रहता है।

यूएन की रिपोर्ट के अनुसार, हिमालयी क्षेत्र के एक तिहाई ग्लेशियरों पर ग्लोबल वार्मिंग का संकट है। तापमान बढ़ने से 2000 से ग्लेशियर के पिघलने की दर बढ़ गई है। ग्लेशियर्स से 58 बिलियन टन बर्फ हर साल कम हो रही है। यह फ्रांस और स्पेन में होने वाले पानी की कुल खपत के बराबर है। वहीं द इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेडेट माउंटेन डिवेलपमेंट के अनुसार तापमान बढ़ने की दर हिंदुकुश हिमालयी क्षेत्र में वैश्विक दर से काफी अधिक है।रपोर्ट के अनुसार बीते साल मॉनसून के बाद अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में उत्तराखंड में तापमान में बदलाव दो डिग्री से अधिक रहा।

साथ ही सर्दियों के बाद बारिश भी बेहद कम हुई। इस साल उत्तराखंड के मैदानी और पर्वतीय क्षेत्रों में भीषण गर्मी पड़ी। देहरादून का तापमान 44 डिग्री तक पहुंच गया।

ग्लेशियोलॉजिस्ट डॉ अनिल देशमुख्य के अनुसार देश के अन्य हिस्सों की तुलना में हिमालय में तापमान अधिक तेजी से बढ़ रहा है। जैसे-जैसे ऊंचाई बढ़ती है, तापमान भी बढ़ता जाता है। इसलिए मौसमी बर्फ अब गर्मियों के साथ सर्दियों और वसंत ऋतु में भी तेजी से पिघल रही है। ओम पर्वत पर बर्फ का गायब होना इका प्रमाण है।

अटल सेतु से कूदा बैंककर्मी हुई मौत, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, ।

माया नगरी मुंबई में एक बैंक कर्मचारी ने ट्रांस-हार्बर अटल सेतु से कूदकर खुदकुशी कर ली है। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान पुणे निवासी एलेक्स रेगी के रूप में की गई है। वह एक राष्ट्रीयकृत बैंक में काम करता था। पुलिस ने बताया कि रेगी ने पुल पर अपनी कार रोकी और समुद्र में छलांग लगा दी। बाद में पुलिस ने रेगी का शव बरामद किया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। अधिकारी ने बताया कि रेगी के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह काम के दबाव में था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच

महाराष्ट्र में बैकफुट पर ठाकरे....सीएम चेहरे पर कांग्रेस और राकांपा की बात मानी

मुंबई, ।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी हलचल जबरदस्त तरीके से तेज हैं। हालांकि, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के मुख्यमंत्री पद के दावेदार को लेकर खींचतान जारी है, लेकिन एमवीए का दावा है कि तीनों दल भाजपा और शिंदे गुट को हराने के लिए मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार है।वहीं, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में जीत का दावा किया है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि बातचीत बाद में हो सकती है।

राउत ने कहा कि हम सभी का पहला मकसद भ्रष्ट महायुति के नेतृत्व वाली सरकार को हटाना है। उन्होंने कहा कि पवार साहब 100 प्रतिशत सही हैं।यह तीन दलों की सरकार है, लेकिन महाराष्ट्र में एमवीए को बहुमत मिल रहा है। हमारा पहला काम मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकना है। बाद में किसी भी समय सीएम पद के बारे में बात कर सकते हैं। उनकी टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि उनकी पार्टी ने इस बात पर अपना रुख नरम कर लिया है कि राज्य में अगली सरकार का नेतृत्व कौन करेगा।पिछले महीने, उद्धव ठाकरे ने सहयोगी दलों-कांग्रेस और राकांपा (सपा) से मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए कहा था, और राज्य में शीर्ष पद के लिए उम्मीदवार को अपना समर्थन देने की कसम खाई थी।छत्रपति संभाजीनगर में मौजूद सेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि सीएम पद को लेकर एमवीए सहयोगियों के बीच कोई झगड़ा नहीं है। इसके पहले कोल्हापुर में पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा इसका फैसला

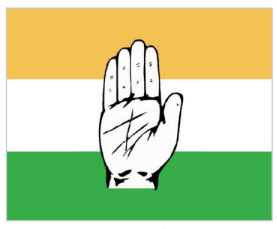

चुनाव नतीजे आने के बाद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एमवीए के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार का फैसला इस आधार पर किया जाएगा कि कौन सी पार्टी सबसे अधिक विधानसभा सीटें जीतती है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नवंबर में होने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

आंध्र प्रदेश में भारी बारिश से 32 की गई जान.....कई लोगों का सब कुछ खत्म

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश में भारी बारिश ने व्यापक तबाही मचा दी है, जिससे राज्य के कई क्षेत्रों में भयंकर बाढ़ आ गई है। लगातार हो रही बारिश ने निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया है, परिवहन को बाधित कर दिया है और हजारों निवासियों को विस्थापित कर दिया है। नदियों के उफान पर होने और जल स्तर बढ़ने के कारण अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं और प्रभावित समुदायों को निकालने और राहत उपाय प्रदान करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।आध्रं में अभूतपूर्व मूसलाधार बारिश और बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है और राहत शिविरों में निकाले गए लोगों की संख्या बढ़कर 45,369 हो गई है। सबसे अधिक प्रभावित विजयवाड़ा वाले एनटीआर जिले में 24 मौतें हुईं, गुंटूर (सात) और पालनाडु (एक) मौत हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 4 से 8 सितंबर तक उत्तरी तटीय आंध्र के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान लगाया है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अहम बैठक कीइसके पहले मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बैंकरों और बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और उनसे अनुरोध किया कि वे क्षतिग्रस्त वाहनों और अन्य पर बीमा दावों का 10 दिनों में निपटान करें और उन्हें एक पखवाड़े में हल करें। उन्होंने बैंकों से बाढ़ पीड़ितों के ऋणों को पुनर्निर्धारित करने का भी अनुरोध किया क्योंकि उनमें से कई ने अपना सब कुछ खो दिया है और वे अपना जीवन फिर से शुरू करने की कगार पर हैं।

किसानों को देगी मोदी सरकार सौगात.....मिलेगा यूनिक किसान आईडी कार्ड

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने देश के करोड़ों किसानों के लिए नई पहल शुरू की है। अब मोदी सरकार किसानों को यूनिक किसान आईडी कार्ड देने की तैयारी कर रही है। यह कार्ड आधार कार्ड जैसा ही होगा।मोदी सरकार की पूरी कोशिश है कि अगले तीन साल तक सभी किसानों के पास यूनिक किसान आईडी कार्ड पहुंच जाए। वहीं, चालू वित्त वर्ष को लेकर केंद्र का लक्ष्य है कि 6 करोड़ किसानों के पास यूनिक किसान आईडी कार्ड पहुंच जाए। यह कार्ड राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा बनाया जाएगा। यह कार्ड के जरिये किसानों की मॉनिटरिंग करने में मदद करेगा।यह कार्ड किसानों की मॉनिटरिंग के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। इस कार्ड के द्वारा केंद्र सरकार को पता चल जाएगा किसान के पास कितनी जमीन, मवेशी है। इसके अलावा कार्ड के माध्यम से पता चल जाएगा कि किसान ने किस फसल की खेती की है। यह कार्ड देश के सभी किसानों को एक डिजिटल पहचान देने में मदद करेगा।यह कार्ड सरकार के साथ किसानों के लिए भी काफी फायदेमंद साबित रहेगा। कार्ड के द्वारा किसान आसानी से फसल बीमा और फसल लोन जैसी सर्विस का लाभ उठा पाएंगे। यहां तक कि गांव की जमीन के नक्शे और बोई गई फसल की जानकारी भी मिलेगी। मोदी सरकार ने 11 करोड़ किसानों को डिजिटल पहचान देने के लिए डिजिटल कृषि मिशन नामक योजना बनाई है। सरकार का लक्ष्य है कि वित्त वर्ष 2026-27 तक योजना का लाभ देश के सभी किसानों को मिल जाए। वर्तमान में सरकार के पास 11 करोड़ किसानों का डेटा है। यह सभी किसान पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी है।

पीएम मोदी ने शिक्षक दिवस पर दिया बधाई संदेश.. शिक्षकों की भूमिका छात्रों का जीवन गढ़ने में महत्वपूर्ण

नई दिल्ली ।

शिक्षकों की भूमिका छात्र-छात्राओं को ज्ञान एंव मार्गदर्शन देकर उनके जीवन को गढ़ने में महत्वपूर्ण है।वे राष्ट्र निर्माण में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। इन्हीं शब्दों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षक दिवस की बधाई दी। पीएम मोदी ने डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देकर लिखा, आप सभी को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं। यह मौका युवा मस्तिष्क को आकार देने वाले सभी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर है।केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से एक्स अकाउंट पर पीएम मोदी का संदेश जारी किया गया। अपने संदेश में पीएम मोदी ने कहा कि छात्र-छात्राओं को ज्ञान एवं मार्गदर्शन देकर उनके जीवन को गढ़ने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक विद्यार्थियों को सपना देखने के लिए प्रेरित कर उन्हें पूरा करने का हौसला देते हैं।

छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के साथ उन्हें देश के एक जिम्मेदार और समर्थ नागरिक के रूप में तैयार करने में भी शिक्षकों की अहम भूमिका होती है।आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। आज जो छात्र-छात्राएं स्कूल और कॉलेज में पढ़ रहे हैं आने वाले समय में इनके प्रयास से ही देश को एक नई दिशा मिलेगी।

सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस और भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में 5 सितंबर 1888 को जन्मे डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद और महान दार्शनिक के तौर पर जाना जाता है।

उनके सम्मान में उनकी जयंती को **'शिक्षक दिवस'** के रूप में मनाया जाता है। **डॉ. राधाकृष्णन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति थे।** वे एक महान दार्शनिक और विद्वान थे।

उन्हें 1954 में भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

1963 में उन्हें ब्रिटिश रॉयल ऑर्डर ऑफ मेरिट की मानद सदस्यता प्रदान की गई थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्यों दिया, पुरोहित पर केस दर्ज करने का आदेश

प्रयागराज ।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 12 वर्ष की नाबालिग बालिका की शादी करवाने वाले पुरोहित और विवाह का प्रमाण पत्र जारी करने वाली संस्था आर्य सनातन धर्म सेवा समिति, आगरा के सचिव पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट ने फर्जी आयु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर शादी करने वाले याची श्रवण को गिरफ्तार करवा संबंधित थाना अध्यक्ष को सौंपने का निर्देश दिया।कोर्ट ने आदेश दिया कि इसकी भी जांच की जाए कि फर्जी आधार कार्ड कहां से बनवाया गया। साथ ही अदालत ने नाबालिग लड़की को बाल कल्याण समिति इटावा को सौंपने का निर्देश दिया है। 12 वर्षीय

नाबालिग और उससे विवाह करने वाले युवक श्रवण की याचिका पर सुनवाई कर आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने दिया।

याचिका दाखिल कर कोर्ट से मांग की गई थी कि वे दोनों बालिग हैं और अपनी मर्जी से विवाह किया है, इसलिए उन्हें पुलिस से संरक्षण दिलाया जाए। आयु प्रमाण के तौर पर लड़की का आधार कार्ड प्रस्तुत कर बताया गया कि वह 21 वर्ष की है। वहीं लड़के की उम्र 29 वर्ष है। सरकारी अधिवक्ता ने प्रस्तुत आयु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड पर संदेह जताकर कोर्ट से अनुरोध किया की प्रथम दृष्टया आधार कार्ड फर्जी प्रतीत होता है।

इसलिए इसकी जांच कर ली जाए।

यूपी में कम नहीं हो रहा भेड़ियों का आतंक : बहराइच, सीतापुर के बाद अब कौशाम्बी में 3 को बनाया शिकार

कौशांबी ।

उत्तर प्रदेश में भेड़ियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। आए दिन कहीं न कहीं,कोई न कोई इनका शिकार हो रहा है। पहले बहराइच फिर सीतापुर और अब कौशाम्बी में भेड़ियों ने लोगों पर हमला किया है। बीती रात करीब 3 लोगों पर हमला कर उन्हे गंभीर रुप से घायल कर दिया है। जिन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें घर भेज दिया।

नेवारी गांव के रहने वाले राजकरन पाल ने बताया कि बुधवार की शाम परिवार के लोग चारा काटने के लिए खेत गए हुए थे। परिवार और गांव की दर्जनों महिलाएं भी बाग में बैठी हुई थी। मेरा ढाई साल का भतीजा प्रियांश भी वहीं खेल रहा था, तभी झाड़ियों से जानवर निकला और बच्चे के गर्दन को पीछे से अपने जबड़े में दबा कर भागने लगा। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर महिलाएं शोर मचाने लगी। तभी मैं और मेरे आस पास मौजूद कुछ चरवाहे दौड़े तो बच्चे को छोड़कर जानवर भाग गया। दिखने में वो जानवर भेड़िया लग रहा था। भेड़िये ने आगे जाकर बकरी चरा रहे रामदास सरोज पर अटैक कर दिया। जब ग्रामीणों ने उसे खदेड़ा तो वह भेड़िया खोजवापुर गांव की तरफ भागा और सोनू पाल के ऊपर भी हमला कर जख्मी कर दिया।नेवारी गांव में भेड़िए की हमले की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे डायल-112 के कांस्टेबल दुर्गेश पांडेय ने बताया कि हमे डायल-112 से इवेंट मिला था। हम गांव आए तो ग्रामीणों ने बताया कि एक ढाई साल के बच्चे समेत तीन लोगों पर भेड़िए ने हमला किया है। हमने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को इसकी सूचना दी है। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने टीम के साथ सुबह विजिट करने की बात कही है। सुरक्षा के लिहाज से ग्रामीणों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए है, ताकि यदि जंगली जानवर उन पर अटैक करे तो वह अपना बचाव कर सके।

भेड़िये के हमले के बाद इलाके के एक ईंट-भट्ठे के पास तीन जंगली जानवरों के वीडियो भी सामने आया है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ऐसे में अब ग्रामीण लाठी और डंडे लेकर रात में अपने मवेशी और परिवार की रखवाली कर रहे हैं। ग्रामीणों की सूचना पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की पड़ताल के बाद फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के अधिकारियों को सूचित किया। नेवारी गांव के रहने वाले ध्यान सिंह ने बताया कि हमारे गांव में पिछले दो दिनो से भेड़िए का झुंड आ रहा है। आज एक बच्चे समेत तीन लोगों पर हमला कर जख्मी कर दिया। भेड़िए के दहशत से हम लोग गर्मी में बाहर सो नहीं पा रहे। इस बात का हमेशा भय बना रहता है कि भेड़िए का झुंड कभी भी गांव में आकर, बच्चे, बकरी और भैंस पर हमला कर सकता है। भीषण गर्मी में बच्चे को भी घर के अंदर सुलाते हैं और हम लोग एकत्र होकर रातभर गांव में भेड़िए से बचाव के लिए पहरा देते हैं। सूचना देने के बाद भी वन विभाग का कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं आया है। ऐसे में हम लोग अपने परिवार और मवेशी की हिफाजत के लिए रातभर जागते है।

तेलंगाना पुलिस ने मुठभेड़ में छह माओवादियों को किया ढेर

हैदराबाद ।

तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है। पुलिस ने मुठभेड़ में छह माओवादियों को ढेर कर दिया। घटना छत्तीसगढ़ की सीमा के पास काराकागुडेम मंडल के रघुनाथपालेम के पास की है। बताया जा रहा है कि मारे गए लोगों में तेलंगाना के कुछ शीर्ष माओवादी नेता भी शामिल हैं।हालांकि, मुठभेड़ के दौरान दो पुलिसकर्मी भी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि पिछले 10-15 वर्षों के सतत प्रयासों के कारण तेलंगाना में वामपंथी उग्रवाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है, लेकिन छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे पड़ोसी राज्यों की सीमा से लगे क्षेत्रों में अभी भी माओवादी हैं।

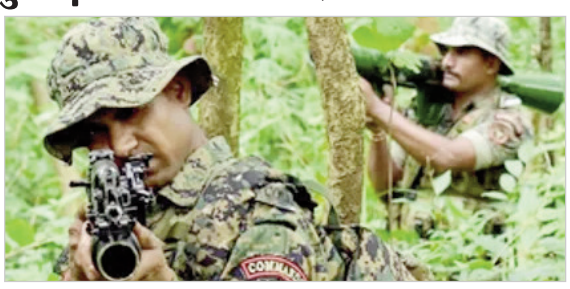

गुरुवार को हुई मुठभेड़ माओवादियों के लिए बड़ा झटका है, जो राज्य में अपनी गतिविधियों को फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहे थे। यह घटना छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों द्वारा छह महिलाओं सहित नौ माओवादियों को मारने के दो दिन बाद घटी है। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों की सीमा पर स्थित जंगलों में 3 सितंबर को चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान में ये माओवादी मारे गए थे। संयुक्त अभियान में दंतेवाड़ा जिला रिजर्व गार्ड्स, बस्तर फाइटर्स और सीआरपीएफ बटालियन 111 और 230 शामिल थे, जिन्होंने पीएलजीए कंपनी नंबर 2, पश्चिम बस्तर डिवीजन और दरभा डिवीजन से बड़ी संख्या में माओवादियों की उपस्थिति के बारे में खुफिया जानकारी पर कार्रवाई की थी। जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में हुई मुठभेड़ में मारे गए लोगों में तेलंगाना का शीर्ष माओवादी नेता माचेरला एसोबू भी शामिल था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

पर्वाधिराज पर्युषण का पांचवां दिवस व्रत चेतना दिवस के रूप में हुआ समायोजित

क्रांति समय | सूरत, आत्मा के कल्याण के लिए धर्म, ध्यान व अध्यात्म की साधना का महापर्व पर्युषण गतिमान है. सूरत के हजारों श्रद्धालुओं सहित बाहर से भी जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में पहुंच कर इस अवसर का लाभ उठा रहे हैं. प्रातः सूर्योदय से पूर्व से लेकर देर रात तक बहने वाली आध्यात्मिक गंगा में डुबकी लगाकर लोग अपनी आत्मा के कल्याण का प्रयास कर रहे हैं. गुरुवार को पर्वाधिराज पर्युषण का पांचवा दिवस था, जिसे व्रत चेतना दिवस के रूप में समायोजित किया गया.

महावीर समवसरण में आयोजित मुख्य मंगल प्रवचन कार्यक्रम का शुभारम्भ शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी के महामंत्रोच्चार के साथ हुआ. मुनि अभिजितकुमारजी ने भगवान मल्लीनाथ के जीवन का वर्णन किया. साध्वीवर्या सम्बुद्धयशाजी ने दस धर्मों में वर्णित संयम धर्म पर अपनी अभिव्यक्ति दी. मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी

ने संयम धर्म पर आधारित गीत का संगान किया. व्रत चेतना दिवस पर आधारित गीत का संगान साध्वी मैत्रीयशाजी व साध्वी ख्यातयशाजी ने किया. साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी ने व्रत चेतना दिवस पर उपस्थित जनता को मंगल प्रतिबोध प्रदान किया.

भगवान महावीर के प्रतिनिधि, शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमणजी ने गुरुवार को महावीर समवसरण से 'भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा' के वर्णन क्रम को आगे बढ़ाते हुए कहा कि नयसार की आत्मा जब भगवान ऋषभ के पौत्र व चक्रवर्ती भरत के पुत्र मरिचि के रूप में हुए और अपने दादा से प्रेरणा लेकर साधु और बने और अलग ढंग से साधना करने लगे. आचार्यश्री इसके माध्यम से परिषहों को जितने की प्रेरणा प्रदान की. आचार्यश्री ने साधुओं को किसी भी प्रकार के परिषहों को सहन करने का प्रयास करना चाहिए. आदमी को अपने जीवन में घमण्ड नहीं करना चाहिए. रूप, शक्ति, पैसा, धन आदि-आदि अनेक अनुकूलताओं का घमण्ड नहीं करना चाहिए. मरिचि के जीवन का क्रम पूर्ण हुआ और वहां से पांचवें देवलोक में उनकी आत्मा उत्पन्न हुई. देवगति का आयुष्य पूर्ण हुई.

आचार्यश्री ने व्रत चेतना दिवस के संदर्भ में उपस्थित श्रद्धालु जनता को पावन प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि इस बार हमने चिंतन कर इसका नाम व्रत चेतना दिवस कर दिया. श्रावक यदि बारह व्रतों को स्वीकार कर लें तो उसके जीवन का कितना कल्याण हो सकता है. कितने करण और कितने योग से त्याग हो रहा है, इसका महत्त्व होता है. सघन साधना शिविर का भी शुभारम्भ 2023 में आयोजित हुआ. इस बार पुरुष और बाइयों दोनों शिविर होने वाला है. इस बार प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष भी 30 सितम्बर से प्रारम्भ होने वाला है. इनसे जुड़कर साधना की जा सकती है. श्रावक अपने जीवन में यथासंभव त्याग आदि करने का प्रयास करना चाहिए. हमारे साधु-साध्वियां भी तपस्या करते हैं. यह सब भी व्रत को पुष्टि करने वाला है. इस प्रकार आदमी के जीवन में व्रत की चेतना रहे. जितना त्याग, संयम बढ़ेगा, वह आत्मकल्याण के लिए श्रेयस्कर होगा. गृहस्थ कपड़ा, आभूषण आदि के प्रति भी संयम रखने का प्रयास करना चाहिए. आचार्यश्री ने इस अवसर पर अणुव्रत गीत का आंशिक संगान किया.

मंगल प्रवचन के उपरान्त अनेक तपस्वियों ने अपनी-अपनी धारणा के अनुसार आचार्यश्री से तपस्या का प्रत्याख्यान किया.

किसी का भी जीवन शाश्वत नहीं, लेकिन परमात्मा की वाणी शाश्वत है : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वर

क्रांति समय | सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. ने गुरूवार 5 सितंबर को पर्वाधिराज पर्युषण के छठे दिन प्रभुवीर जीवन कथा पर प्रवचन करते हुए कहा कि परमात्मा केवल तिरने वाले ही नहीं है, तारणे वाले भी है. परमात्मा खुद को मुक्ति के प्राप्त करनेवाले है और सभी जीवों को मुक्ति का मार्ग बतानेवाले है. ऐसे परमात्मा का जन्म हुआ. मध्यरात्रि को जन्म परमात्मा का जन्म हुआ. रात छोटी थी, लेकिन इतने कम समय में बड़ी बड़ी घटनाएं घट गई. परमात्मा का जन्म हुआ तो सबसे पहले कुमारिकाओं को पता चला. भक्ति वह होती है, जिसमें किसी भी प्रकार का दिखावा नहीं होता. किसी का भी जीवन शाश्वत नहीं हो सकता. परमात्मा की वाणी शाश्वत है, परमात्मा की वाणी कभी नष्ट नहीं होती. परमात्मा की वाणी एक है, चाहे वह भगवान महावीर की वाणी हो, चाहे आदिनाथ की वाणी हो, चाहे वह पूर्व में हुए ज्ञानी तीर्थंकर की वाणी हो. सारी वाणी समान है. आत्मा ही साध्य है, आत्मा ही साधन है और आत्मा ही साधक है. शब्द अलग हो सकते है, कथाएं

अलग हो सकती है, प्रेरणाएं अलग हो सकती है, उम्र अलग हो सकती है, लेकिन मूल वाणी तो एक ही है. मूल सिद्धांत में कोई परिवर्तन नहीं है. आचार्यश्री ने वर्धमान परमात्मा के बचपन का मार्मिक वर्णन किया. संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडोवरा और युवा परिषद के अध्यक्ष मनोज देसाई ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि शुक्रवार को सुबह साढ़े नौ बजे पहला पच्चखान किया जाएगा. उसके बाद में प्रवचन पुरा होते ही दूसरा पच्चखान कराया जाएगा. जो शेष बच जाएंगे उनके पच्चखान प्रवचन पूरा होते ही कराएं जाएंगे. वहीं वरघोडा का चढ़ावा चढ़ाया जाएगा. 10 सितंबर को वरघोडा निकाला जाएगा. डेढ़ से दो किमी की लंबी वरघोड़ा यात्रा में दो हाथी, पांच घोड़े, 51 बग्गियां सहित अन्य का आकर्षण रहेंगे.

किंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने सूरत में रु. 27 करोड़ के भू-जल पुनर्भरण कार्यों का शिलान्यास किया

क्रांति समय | सूरत, सूरत महानगरपालिका द्वारा जल संरक्षण जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत विभिन्न ज़ोन क्षेत्रों में रु. 27 करोड़ की लागत से अनुमानित 2000 से अधिक भू-जल पुनर्भरण कार्यों का भूमिपूजन केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल के हाथों संपन्न हुआ.

उधना स्थित श्री छत्रपति शिवाजी स्पोर्ट्स संकुल में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने लोगों की प्राथमिक आवश्यकताओं को पूरा करने में अग्रणी महानगरपालिका तंत्र की सराहना करते हुए कहा कि सूरत शहर का विकास देश के अन्य शहरों के लिए प्रेरणादायक है. एक समय में स्वच्छता के लिए आलोचना का पात्र रहा सूरत शहर आज स्वच्छता में देश में प्रथम स्थान पर है और इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों में भी नेतृत्व कर रहा है.

आगे उन्होंने कहा कि भविष्य की योजनाओं के तहत शहरी नागरिकों को पीने के पानी की समस्या न हो, इसके लिए मनपा तंत्र द्वारा सुदृढ़ व्यवस्था की गई है. मंत्री ने बताया कि भू-जल स्तर ऊंचा हो और आने वाली पीढ़ी को पानी की समस्या न हो, इसके लिए समृद्ध जलविरासत की

भेंट देने हेतु केंद्र और राज्य सरकार ने जल संरक्षण जनभागीदारी अभियान की पहल की है. उन्होंने शहरी नागरिकों से घर, सोसाइटी या उद्योगों में वर्षा जल संचयन की संरचना बनाने के लिए तंत्र की सहायता और मार्गदर्शन लेने का आग्रह किया और जनभागीदारी की क्रांति के रूप में वर्षा जल का संचयन करने पर जोर दिया.

इस अवसर पर सांसद श्री मुकेशभाई दलाल, महापौर श्री दक्षेशभाई मवानी, विधायक श्री मनुभाई पटेल, नगर आयुक्त शालिनी अग्रवाल, उप महापौर श्री नरेंद्र पाटिल, स्थायी अध्यक्ष राजन पटेल, शासक दल की नेता शशिबेन त्रिपाठी, उपाध्यक्ष धर्मेश वाणियावाला, अग्रणी निरंजनभाई झांझमेरा, पार्षद, विभिन्न समितियों के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में शहरी नागरिक उपस्थित थे.

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने सूरत शहर पुलिस मुख्यालय में ग्राउंड वॉटर रीचार्ज कार्य का भूमिपूजन किया

क्रांति समय | सूरत, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल के हाथों सूरत शहर पुलिस मुख्यालय में जल संरक्षण जनभागीदारी अभियान के तहत ग्राउंड वॉटर रीचार्ज कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ. गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, वन एवं पर्यावरण, जल संसाधन, जलापूर्ति राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल, सांसद मुकेशभाई दलाल, महापौर दक्षेशभाई मावाणी, पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत सहित पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे.

DGVCL को नई दिल्ली में 'स्टेट डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ऑफ द ईयर' अवार्ड से सम्मानित किया गया

क्रांति समय | सूरत, नई दिल्ली के यशोभूमि, द्वारका में आयोजित च्भारत इलेक्ट्रिसिटी-पॉवरिंग इंडिया अवार्ड्सज में दक्षिण गुजरात विद्युत कंपनी लिमिटेड (DGVCL) को बिजली सेवाओं में ग्राहक-केंद्रित नवाचार और व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए च्स्टेट डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ऑफ द ईयरज्के मूल्यवान पॉवरिंग इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया.

पॉवरजेन इंडिया, इंडियन यूटिलिटी वीक और भारत इलेक्ट्रिसिटी द्वारा आयोजित पॉवरिंग इंडिया अवार्ड्स में DGVCL के मुख्य इंजीनियर एम. जी. सुरती और उप-इंजीनियर जे. एम. चावड़ा ने पुरस्कार स्वीकार किया.

DGVCL के प्रबंध निदेशक श्री योगेश चौधरी (IAS) के मार्गदर्शन में ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण और सतत बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के अधिकारी-कर्मचारी वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर, दहेज और भरूच जैसे औद्योगिक

क्षेत्रों में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं. नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण और नवीनीकरण के साथ-साथ अंडरग्राउंड केबलिंग और इलेक्ट्रिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार जैसे विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं. प्राकृतिक आपदाओं, जैसे बाढ़ और तूफान के समय भी कंपनी के कर्मचारी निरंतर सक्रिय रहते हुए बिजली आपूर्ति को बहाल करने का कठिन कार्य करते हैं.

इस उपलब्धि के लिए श्री चौधरी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी और बिजली ग्राहकों का भी धन्यवाद किया.

इको फ्रेंडली गणेशा वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय | सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा टीचर्स डे के मौक़े पर बुधवार को मनपा संचालित एसएमसी शाला नंबर 160 के विद्यार्थियों के लिए इको फ्रेंडली गणेशा वर्कशॉप आयोजित की गई. महिला शाखा की अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि इस वर्कशाप के अंतर्गत विद्यार्थियों को आने वाले त्योहार गणेश चतुर्थी पर कैसे इको फ्रेंडली गणेशा घर पर ही गोबर और मिट्टी से स्वयं बना सकते हैं यह सिखाया गया और साथ ही यह भी बताया गया कि ऐसे बनाकर हम कैसे पर्यावरण को बचा सकते है. इस वर्कशॉप में लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया. इस मौके पर महिला शाखा की सरोज

अग्रवाल , रुचिका रुंगटा, सीमा कोकडा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी सहित महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं.